E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक -61 | प्रयागराज, मंगलवार 12 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान ने समुद्र में 3,000 बैरल तेल बहाया,ऑयल स्टोर की जगह कम पड़ी,अमेरिकी प्रतिबंधों का असर

तेहरान। फारस की खाड़ी में ईरान के खार्ग आईलैंड के पास बड़ा तेल रिसाव देखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों में समुद्र में फैला तेल साफ नजर आया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिसाव अमेरिकी प्रतिबंधों और होर्मुज में

बढ़े तनाव के कारण हो सकता है। ऑर्बिटल ईओएस नाम की संस्था के अनुसार, समुद्र में तेल करीब 51 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में फैल चुका है। अनुमान है कि 3,000 बैरल से ज्यादा तेल पानी में बह गया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों और नौसैनिक दबाव की वजह से ईरान के तेल निर्यात पर असर पड़ा है। कई तेल टैंकर फंसे हुए हैं और देश के पास तेल स्टोर करने की जगह कम पड़ रही है। इसी कारण यह आशंका जताई जा रही है कि एक्स्ट्रा ऑयल समुद्र में छोड़ा जा रहा है। हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर नीमा शोकरी ने कहा कि तेल कुओं को अचानक बंद करना आसान नहीं होता, क्योंकि इससे पाइपलाइन जाम हो सकती हैं या तेल भंडार को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा, 'तेल के कुएं ऐसी मशीनें नहीं हैं जिन्हें जब चाहें बंद और चालू किया जा सके।' कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि खार्ग आइलैंड के पास पुरानी पाइपलाइन में लीकेज भी इसकी वजह हो सकती है। यह तेल धीरे-धीरे सऊदी अरब के समुद्री क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचने का खतरा भी बढ़ गया है। वहीं ईरान ने तेल रिसाव की खबरों को खारिज कर दिया है। सरकारी मीडिया के मुताबिक, ईरान ऑयल टर्मिनल्स कंपनी ने कहा कि जांच में कहीं भी तेल लीकेज के सबूत नहीं मिले हैं। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- अमेरिका-ईरान में फिर बातचीत की तैयारीः अगले हफ्ते इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच नई वार्ता हो सकती है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट दिया है।होर्मुज स्ट्रेट पर तनाव बरकरारः ईरान ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका ने फिर दखल दिया तो जंग दोबारा शुरू हो सकती है। वहीं अमेरिका ने दावा किया कि उसने 70 से ज्यादा जहाजों को ईरानी बंदरगाहों तक पहुंचने से रोका। लेबनान में इजराइली हमले तेजः दक्षिणी लेबनान में इजराइल के हवाई और ड्रोन हमलों में एक दिन में 39 लोगों की मौत हुई। कई रिहायशी इमारतें निशाना बनीं और हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर ड्रोन व रॉकेट हमलों का दावा किया।होर्मुज संकट से तेल महंगाः तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। यूएन और एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी कि इससे खाद्य पदार्थ, ईंधन और आयातित सामान महंगे हो सकते हैं, खासकर दक्षिण एशिया में। इजराइल-लेबनान शांति वार्ता की नई तारीख तयः अमेरिका की मध्यस्थता में 14-15 मई को इजराइल और लेबनान के बीच नई बातचीत होगी। इसमें सीमा विवाद, पुनर्निर्माण और हिजबुल्लाह के हथियारों जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

अमेरिका ने एनरिच्ड यूरेनियम सौंपने की शर्त रखी

ट्रम्प ने जंग रोकने के लिए ईरान का प्रस्ताव ठुकराया,बोले- मुझे पसंद नहीं आया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। ट्रम्प ने ट्रूथ सोशल पर लिखा, 'मैंने ईरान के प्रतिनिधियों का जवाब पढ़ा। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। इसे स्वीकर नहीं किया सकता।' इससे पहले भी ट्रम्प ने ईरान पर खेल खेलने का आरोप लगाया था। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक, तेहरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को अपना नया प्रस्ताव भेजा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। अमेरिका ने इस हफ्ते ईरान को 14 सूत्रीय प्रस्ताव भेजा था। इसके तहत ईरान को कम से कम 12 साल तक यूरेनियम संवर्धन रोकना होगा और अपने पास मौजूद करीब 440 किलो 60फीसदी एनरिच्ड यूरेनियम अमेरिका को सौंपना होगा। इसके बदले अमेरिका प्रतिबंधों में ढील देगा, ईरान की फ्रीज की गईं अरबों डॉलर की संपत्तियां छोड़ेगा, साथ ही ईरानी बंदरगाहों पर लगी नौसैनिक नाकेबंदी हटाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम पर पूरी तरह समझौता करने को तैयार नहीं है। ईरानी अधिकारियों का कहना है

कि उनका जवाब सकारात्मक और व्यावहारिक है और अब फैसला अमेरिका को करना है। दोनों देशों ने 8 अप्रैल से लागू सीजफायर खत्म होने की घोषणा नहीं की है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. तेल की कीमतों में बड़ा उछालः अमेरिका के ईरान का प्रस्ताव ठुकराने के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 104 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। होर्मुज संकट के चलते सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बढ़ी। 2. लेबनान में इजराइली हमले तेज, मेडिकल कर्मी भी निशाने परः दक्षिणी लेबनान में इजराइल के हमलों में 39 लोगों की मौत हुई। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2 मार्च से अब तक 103 मेडिकल कर्मी मारे जा चुके हैं। डॉक्टरों ने आरोप लगाया कि इजराइल गाजा जैसी रणनीति अपना रहा है। 3. होर्मुज में तनाव बढ़ा, जहाजों की आवाजाही प्रभावितः अमेरिका ने दावा किया कि नाकेबंदी के बाद 65 जहाजों ने रास्ता बदला। वहीं कतर, दक्षिण कोरिया और दूसरे देशों के जहाजों पर हमले और रुकावट की घटनाएं सामने आईं। 4. ईरान बोला- होर्मुज में दखल दिया तो जवाब देंगेः ईरान ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका, फ्रांस या ब्रिटेन ने होर्मुज स्ट्रेट में सैन्य दखल बढ़ाया तो कड़ा जवाब दिया जाएगा। ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंध मानने वाले देशों को भी होर्मुज में दिक्कत की चेतावनी दी। 5. ईरान जंग का असर खाड़ी देशों तक पहुंचाः यूएई और कुवैत में ड्रोन अलर्ट जारी हुआ। कतर के पास मालवाहक जहाज पर हमला हुआ, जबकि यूएई ने दो ईरानी ड्रोन मार गिराने का दावा किया। क्षेत्र में सुरक्षा चिंता लगातार बढ़ रही है।

पोकरण परमाणु परीक्षण पर मोदी- विश्वभर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरीं, हम डटे रहे, डरे नहीं,दुनिया हिल गई थी

जामनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार के 75 साल पूरे होने

के मौके पर कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। 11 मई 1998 को आज के ही दिन देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। मोदी ने कहा- भारत ने परमाणु परीक्षण किया तो दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। 13 मई को 2 और परमाणु परीक्षण हुए तब दुनिया को पता चल गया था कि हमारी राजनीतिक इच्छा शक्ति कितनी अटल है। पीएम ने कहा- आजादी के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निमाण की कोशिश की। उन्हें इसके लिए नेहरू का विरोध झेलना पड़ा। लेकिन ये सरदार साहब की इच्छाशक्ति थी कि वे डिगे नहीं। सोमनाथ फिर से बना और देश ने सदियों के कलंक को धो दिया। प्रधानमंत्री ने कहा- आज भी देश में ऐसी शक्तियां प्रभावी हैं जिन्हें तुष्टिकरण ज्यादा जरूरी लगता है। हमें ऐसी मानसिकता से सावधान रहना है। आज मुझे देश के सभी तीर्थों के विकास का मौका मिला है। यह सोमनाथ का ही आशीर्वाद है। पीएम ने कहा- विश्वनाथ, ओंकारेश्वर, केदारनाथ धाम का विकास हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हैं। ऐसे कितने ही तीर्थस्थल हैं जिनकी महिमा पुराणों में सुनी हैं। आज हमें उस समृद्ध परंपरा के दर्शन होने लगे हैं। ये सब 10-12 साल के अंदर हुआ है।सूर्यकिरण टीम के विमानों ने जामनगर वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरी और लगभग 182 किलोमीटर की हवाई दूरी तय करके 18 मिनट के भीतर सोमनाथ पहुंचे। हॉक एमके-132 विमान उड़ाने वाले पायलट फॉर्मेशन और हवाई करतब दिखा रहे हैं।

देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं,सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं नाकामी के सबूत- राहुल गांधी

नयी दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।' उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।' दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत हो सके और पर्यावरण की रक्षा हो सके। राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा-'हर बार जिम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं ताकि खुद जवाबदेही से बच निकलें। देश चलाना कम्प्रोमाइज्ड पीएम के बस की बात नहीं'। विपक्ष ने कहा, देश में सिर्फ एक संकट 'भाजपा'- समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, 'भाजपा सरकार अर्थव्यवस्था और विदेश नीति दोनों को संभालने में विफल रही है। जैसे ही चुनाव खत्म हुए, सरकार को अचानक 'संकट' याद आ गया। असल में देश के लिए केवल एक ही संकट है और उसका नाम भाजपा है।' आप नेता संजय सिंह ने कहा, 'कल पीएम मोदी ने कहा कि पिछले दो महीनों से सरकार आपका बोझ उठा रही थी। अब जब चुनाव खत्म हो गए हैं, तो आपकी उपयोगिता भी खत्म हो गई। आपका बोझ तब तक उठाया, जब तक पांच राज्यों में चुनाव चल रहे थे। अब वे लोगों से कह रहे हैं कि तेल, पेट्रोल और गैस कम इस्तेमाल करें और सोना न खरीदें। क्या उन्हें चुनाव के दौरान यह सब याद नहीं था।' कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा,'आर्थिक स्थिति आधिकारिक आंकड़ों और प्रधानमंत्री और उनके सहयोगियों के अब तक किए जा रहे दावों से कहीं ज्यादा गंभीर है। वहीं जयराम रमेश कांग्रेस महासचिव ने कहा-' ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी सहित कड़े कदम जल्द लागू किए जा सकते हैं। इससे पहले माहौल तैयार किया जा रहा है।

ट्रम्प 13 से 15 मई तक चीन का दौरा करेंगे,जिनपिंग से ईरान, व्यापार और ताइवान मुद्दे पर हो सकती हैं बातचीत

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 13 से 15

मई तक चीन का दौरा करेंगे। चीन ने सोमवार को इसकी आधिकारिक पुष्टि की। इस दौरान उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात होगी, जिसमें ईरान, व्यापार और ताइवान समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर डोनाल्ड ट्रम्प चीन की राजकीय यात्रा करेंगे। ट्रम्प पहले मार्च या अप्रैल में चीन जाने वाले थे, लेकिन ईरान युद्ध शुरू होने के बाद उन्होंने दौरा टाल दिया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक ट्रम्प चीन पर ईरान को लेकर दबाव बना सकते हैं। चीन ईरानी तेल का बड़ा खरीदार है। खासकर उसकी रिफाइनरियां रियायती दरों पर ईरान से तेल खरीदती हैं। अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड टैरिफ को लेकर लंबे समय से तनाव बना हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों देश व्यापार व्यवस्था को स्थिर करने और नए कारोबारी समझौतों पर चर्चा कर सकते हैं। ताइवान का मुद्दा भी बातचीत का अहम हिस्सा रह सकता है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका लगातार ताइवान को सैन्य और राजनीतिक समर्थन देता रहा है।अमेरिका की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी एना केली ने कहा कि यह दौरा बहुत अहम वाला होगा। उन्होंने कहा कि ट्रम्प सिर्फ प्रतीकात्मकता के लिए यात्रा नहीं करते और अमेरिकी लोगों को इस दौरे से अच्छे समझौतों की उम्मीद करनी चाहिए। व्हाइट हाउस के मुताबिक ट्रम्प के दौरे में बीजिंग के टेम्पल ऑफ हेवन का दौरा और भव्य स्टेट बैंक्वेट शामिल होगा।

केरलम के सीएम का ऐलान जल्द,वेणुगोपाल राहुल की पसंद

कांग्रेस नेता बोले- हमारे यहां मोदी-शाह सारे फैसले लें, ऐसा सिस्टम नहीं

केरलम। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की केरलम सीएम

के लिए पहली पसंद केसी वेणुगोपाल हैं। सूत्रों के मुताबिक, राहुल ने दिल्ली में वेणुगोपाल से अकले में मुलाकात की। ऐसे में पार्टी जल्द ही सीएम चेहरे का ऐलान कर सकती है।

वेणुगोपाल फिलहाल अलाप्पुझा लोकसभा सीट से सांसद हैं।

केरलम के अगले सीएम के चुनाव को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच कांग्रेस के सीनियर लीडर रमेश चेन्निथला ने भाजपा पर निशाना साधा।

चेन्निथला ने कहा- कांग्रेस पार्टी में सीएम का चुनाव लोकतांत्रिक तरीके से होता है।

हमारे यहां मोदी-शाह सारे फैसले लें, ऐसा सिस्टम नहीं है। केरलम में चुनावी नतीजे आए 6 दिन हो गए हैं।

अभी तक सीएम का ऐलान नहीं हो पाया है।

राज्य में 10 साल बाद कांग्रेस की वापसी हुई। कांग्रेस ने 140 में से 63 सीटें जीतीं। 26 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर सीपीआई (एम) रही। एलडीएफ की हार पर सीएम पिनाराई विजयन पद से इस्तीफा दे चुके हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के 63 विधायकों में 75-80फीसदी ने के.सी. वेणुगोपाल को समर्थन दिया।

वेणुगोपाल के सीएम बनने पर इरिक्कूर से चुनाव जीते सनी जोसेफ अपनी सीट से इस्तीफा दे सकते हैं।इससे वेणुगोपाल के सीएम बनने के बाद इस सीट से चुनाव लड़कर विधायक का चुनाव लड़ेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में वीडी सतीशन को महज 6 विधायकों का समर्थन मिला। हालांकि, बैठक के बाद तीन पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने सतीशन के नाम का समर्थन किया है। इसके अलावा यूडीएफ के सहयोगी दल आईयूएमएल और केरलम कांग्रेस (जोसेफ) ने खुले तौर पर सतीशन को समर्थन दिया है।

मोदी ने तेलंगाना सीएम से कहा- मुझसे जुड़ो,10 साल में जितना गुजरात को मिला,आपको देने को तैयार-रेवंत हंसने लगे

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी से मजाक में NDA के साथ आने को कहा। दरअसल पीएम राज्य में 9,400 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का इनॉगरेशन करने पहुंचे थे। पीएम ने यहां हल्के-फुल्के अंदाज में रेड्डी से कहा कि केंद्र सरकार ने 10 साल में गुजरात को जो दिया, मैं तेलंगाना को देने के लिए तैयार हूं। मेरी जानकारी के मुताबिक ऐसा करते ही आपको अभी जो सरकार से मिल रहा है, वह आधा हो जाएगा। इसलिए बेहतर होगा कि आप मुझसे ही जुड़ो। हालांकि पीएम ने ये बातें तेलंगाना सीएम की एक सिफारिश के चलते कहीं। इसमें रेवंत ने अपने भाषण में पीएम से कहा कि जिस तरह मनमोहन सरकार में गुजरात का विकास हुआ, उसी तरह तेलंगाना का भी विकास हो। रेवंत रेड्डी तेलंगाना सीएम-'मोदी जी अपने बड़े दिल के लिए जाने जाते हैं। मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे तेलंगाना की ओर ध्यान दें और राज्य से जुड़े डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा दें। ताकि हम आगे बढ़ सकें।' रेवंत रेड्डी ने कहा, जब मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। तब मोदी मुख्यमंत्री थे और उन्होंने 10 साल में 'गुजरात मॉडल' को साकार किया। इसी तरह, तेलंगाना के लोगों को उम्मीद है कि अगले 10 साल में मेरे मुख्यमंत्री रहते हुए 'तेलंगाना विकास मॉडल' भी साकार होगा। जिस तरह मनमोहन सिंह ने गुजरात का समर्थन किया था, उसी तरह हम तेलंगाना के विकास में समर्थन करने का अनुरोध करते हैं। रेवंत ने यह भी कहा कि जहां

एक ओर मोदी भारत का विकास चाहते हैं, वहीं उन्हें तेलंगाना को भी साथ लेकर चलना चाहिए। तेलंगाना के विकास के लिए, कृपया दो घंटे का समय निकालें, ताकि हम आपके सामने अपने विकास प्रस्ताव पेश कर सकें। पीएम का जवाब- मैं देने को तैयार, आप साथ जुड़ जाएं-रेवंत की बात का जवाब देते हुए पीएम ने कहा- जो कुछ भी केंद्र सरकार (पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में) ने गुजरात को 10 साल में दिया (जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे), मैं भी आपको वह सब देने के लिए तैयार हूं। लेकिन तब राज्य के पास उतना भी नहीं बचेगा, जितना उसे अभी केंद्र से मिल रहा है और आप अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाएंगे। बेहतर यही है कि आप मेरे साथ आ जाएं।पीएम के मजाक के दो मायने-तेलंगाना में दो साल बाद विधानसभा चुनावः तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव 30 नवंबर 2023 को हुए थे। कांग्रेस पार्टी ने बहुमत हासिल किया और रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री बने, जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सत्ता से बाहर हो गई। भाजपा को सिर्फ 8 सीटें मिलीं थीं। मोदी ऐसे में अगले चुनाव के लिए अभी से तैयारी में जुट गए हैं। आंध्र में एनडीए, इसी से अलग हुआ था तेलंगानाः आंध्र प्रदेश में एनडीए की सरकार है। चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी भाजपा के साथ है। ऐसे में भाजपा चाहती है कि पड़ोसी राज्य में भी सरकार बने। दरअसल तेलंगाना 2024 में आंध्र प्रदेश से अलग होकर ही नया राज्य बना था। पीएम ने तेलंगाना के वारंगल में पहले पीएम मित्र पार्क का इनॉगरेशन किया- पीएम मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में पीएम मित्र पार्क का भी इनॉगरेशन किया। इसे काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क के नाम से भी जाना जाता है। करीब 1,700 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से विकसित यह भारत का पहला पूरी तरह से काम करने वाला पीएम मित्र पार्क है। यह भारत सरकार के '5एफ' विजन को साकार करता है - Farm to Fibre to Factory to Fashion to Foreign (यानी खेत से फाइबर तक, फैक्ट्री से फैशन तक और फैशन से विदेश तक)।

सीएम विजय ने स्टाफ की टेबल उठाने में की मदद,राहुल गांधी भी हैरान

चेन्नई। तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री बने अभिनेता-राजनेता

विजय ने रविवार को चेन्नई में हुए शपथ ग्रहण समारोह के बाद स्टेज पर रखी टेबल हटाने में स्टाफ की मदद की। कार्यक्रम में मौजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी यह देखकर हैरान हो गए। विजय के इस व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, शपथ ग्रहण समारोह के बाद राज्यपाल और अन्य नेताओं के साथ ग्रुप फोटो की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान मंच पर रखी टेबल हटाई जा रही थी। स्टाफ और वर्कर्स टेबल उठाने लगे तो विजय भी आगे आए और उन्होंने खुद टेबल उठाने में मदद की। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने विजय के इस जेस्चर की तारीफ की। चेन्नई में शपथ ग्रहण समारोह हुआ-थलापति विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित समारोह

में राहुल गांधी और तृषा समेत कई हस्तियां मौजूद रहीं। विजय के सीएम की शपथ लेने के बाद एक्टर कमल हासन और प्रकाश राज ने उन्हें बधाई दी। कमल हासन ने कहा, 'तमिलगा वेत्री कड़गम के अध्यक्ष और तमिलनाडु के माननीय मुख्यमंत्री मेरे भाई थिरु विजय को शुभकामनाएं। उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में तमिलनाडु नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। मैं उन्हें दिल से बधाई देता हूं।' वहीं प्रकाश राज ने ट्वीट कर लिखा, 'मुख्यमंत्री विजय को बहुत-बहुत बधाई। नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं। उम्मीद है कि आपके नेतृत्व में राज्य और तरक्की करेगा।'आर माधवन ने भी दी बधाई एक्टर आर माधवन ने भी विजय को बधाई दी। माधवन ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर विजय की एक फोटो शेयर की और साथ ही लिखा, 'भगवान आपका भला करे और मुझे आप पर बहुत गर्व है।' फोटो में लिखा था-'मेरे प्यारे भाई, आपको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री के तौर पर आपका कार्यकाल हमारे राज्य के लिए सबसे फायदेमंद और असरदार हो। भगवान आपको वह सारी ताकत दे जिसकी आपको वह सब अच्छा करने के लिए जरूरत है जो आपको करना है। आप पर बहुत गर्व है भाई।' शपथ ग्रहण समारोह में एक्ट्रेस तृषा कृष्णन भी पहुंचीं। उन्होंने विजय के परिवार से मुलाकात की और उनकी मां से गले मिलती नजर आईं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,92,968 वाद निस्तारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आज राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय रायबरेली में मा0 प्रभारी जनपद न्यायाधीश कुशल पाल की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें कुल 1,92,968 वाद निस्तारित किये गये। राष्ट्रीय लोक अदालत में वादकारियों के मध्य सुलह-समझौते के आधार पर लम्बित मामलों को निपटाने व आमजन को सुलभ व सुगम न्याय उपलब्ध कराने हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय भूपेन्द्र राय, चेयरमैन-मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण प्रफुल्ल कमल, अपर प्रधान न्यायाधीश सुशील कुमार वर्मा, विशेष न्यायाधीश एस0सी0/एस0टी0 अनिल कुमार-पंचम, अपर जिला जज(नोडल अधिकारी लोक अदालत) प्रतिमा, अपर जिला जज अमित कुमार पाण्डेय,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पवन कुमार सिंह व अन्य न्यायिक अधिकारीगण व विभिन्न बैंक के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अनिशा ने बताया की राष्ट्रीय लोक अदालत में एक लाख बान्बे हजार नौ सौ अरसठ मुकदमे निपटाये गये, तथा कुल समझौते की धनराशि ग्यारह करोड़ से अधिक की रही। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंको व फाइनेन्स कम्पनियों के प्री-लिटिगेशन स्तर पर मामले निस्तारित कराये गये तथा मौके पर ही समझौते कराये गये। इस लोक अदालत में अन्य मामलों के साथ-साथ बड़ी संख्या में ई-चालान के मामले, चेक बाउंस (एन0आई0एक्ट) के मामले तथा वैवाहिक विवाद के मामले निस्तारित किये गये। तलाक के मुहाने पर खड़े कई जोड़ों का सुलह-समझौता कराकर वापस भेजा गया।राष्ट्रीय लोक अदालत में जिला कारागार रायबरेली में बंदियों द्वारा बनाई गई सामग्री की प्रदर्शनी, स्वास्थ्य विभाग का स्टाल, दिव्यांगजन विभाग का स्टाल व एक जिला एक उत्पाद के स्टाल/प्रदर्शनी दीवानी न्यायालय में प्रदर्शित की गयी। आमजन की सहायता के लिए न्यायालय परिसर में कई जगह सहायता पटल व हेल्प डेस्क बनाये गये।

पुलिस के घर पुलिस की दबिश!! महकमे का भ्रष्टाचार उजागर करने वाले सिपाही की मुसीबतें शुरू!! आधी रात को घर में घुस आई पुलिस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। पुलिस लाइन में ड्यूटी के बदले रुपए वसूलने का गंभीर आरोप लगाने वाले सिपाही सुनील कुमार शुक्ला के घर पर बीती रात करीब एक बजे 6/7 पुलिसकर्मी घुस आए। सिपाही ने वीडियो बनाकर बताया कि काले अंग्रेजों के आदेश से मेरे घर पर पुलिस आई.. वीडियो में सिपाही मुख्यमंत्री से पूछ रहा है कि, 'क्या मैं आतंकवादी हूं?? क्या मैं नक्सली हूं?? या मैंने किसी का बलात्कार किया है या कोई लूट की है?? क्या मैं किसी का हत्यारा हूं??' 'माननीय मुख्यमंत्री जी, मैं पूछना चाहता हूं.. क्या काले अंग्रेजों के पास यही तरीका रह गया है मेरी आवाज दबाने का.. मेरी माता जी को प्रताड़ित किया जाएगा। सिपाही कह रहा है, 'माननीय मुख्यमंत्री जी, इन काले अंग्रेजों के द्वारा मुझे इस तरह से तोड़ा नहीं जा सकेगा.. अगर मुझे शांत कराना है तो इन काले अंग्रेजों को मेरी हत्या करनी होगी।सिपाही ने कहा, 'मेरी आवाज को तभी बंद किया जा सकेगा जब पुलिस महकमे के भ्रष्टाचार, अनियमितताएं, शोषण की जांच के लिए कमेटी बनाकर सुधार करना पड़ेगा।

लखनऊ एयरपोर्ट पर 14.87 करोड़ की हाइड्रोपोनिक वीड बरामद, बैंकॉक से आए 3 यात्री गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट और एयर कस्टम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी ड्रग्स तस्करी का खुलासा हुआ है। बैंकॉक से लखनऊ पहुंचे तीन यात्रियों के पास से करीब 14.872 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (उच्च गुणवत्ता वाला गांजा) बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 14.87 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, फ्लाइट संख्या एफडी-146 से बैंकॉक से आए यात्रियों को ग्रीन चैनल पर संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर रोका गया। जांच के दौरान उनके चेक-इन बैगेज से वैक्यूम पैक पाउच बरामद हुए, जिनमें हाइड्रोपोनिक वीड छिपाकर लाई जा रही थी।जांच में पहले आरोपी के पास से 2.957 किलोग्राम, दूसरे आरोपी के पास से 3.425 किलोग्राम तथा तीसरे आरोपी के बैग से 8.490 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुई। अधिकारियों ने एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 43 के तहत पूरी खेप को जब्त कर लिया। कस्टम अधिकारियों के अनुसार, यह खेप अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी नेटवर्क से जुड़ी हो सकती है। फिलहाल तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है तथा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

तीन माह की मासूम को सिवान में छोड़ भागी बेदर्द मां, लवकुश ने बचाई जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सुल्तानपुर। सुल्तानपुर देहात से आ रही रोने की आवाज सुनकर गांव निवासी लवकुश, रामप्यारे वहां से भगाया। गोद में जाते ही मासूम कुछ शांत हो गई। इसके

कोतवाली क्षेत्र के इस्लामगंज गांव में शनिवार रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई एक बेदर्द मां अपनी करीब तीन माह की मासूम बच्ची को गांव के सिवान में छोड़कर फरार हो गई। अंधेरे में बेसहारा पड़ी बच्ची लगातार रो रही थी और उसके आसपास एक कुत्ता मंडरा रहा था। रात करीब 8:30 बजे खेतों की ओर और उनके परिजन मौके पर पहुंचे। वहां पहुंचते ही सभी के होश उड़ गए। मासूम बच्ची जमीन पर पड़ी चीख रही थी। अगर समय रहते ग्रामीण मौके पर नहीं पहुंचते तो कोई कुत्ता या जंगली जानवर उसे नुकसान पहुंचा सकता था। लवकुश ने बिना देर किए बच्ची को गोद में उठा लिया और आसपास घूम रहे कुत्ते को डांटकर बाद लवकुश बच्ची को अपने घर ले गए, उसके लिए दूध और निप्पल खरीदकर दूध पिलाया। ग्रामीणों ने काफी देर तक आसपास बच्ची के परिजनों की तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बच्ची पीले रंग की शर्ट और पीले रंग का लंगोट पहने हुई थी। खबर लिखे जाने तक घटना की सूचना पुलिस को दे दी।

देहदान - महादान, संकल्प लेती हूं - सीमा सेन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

गुना। देहदान-महादान की खबरें

चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिए शरीर दान के महत्व पर प्रकाश डालती हूं। गुना कि सेन समाज विकास संगठन कि महिला प्रदेश अध्यक्ष सीमा सेन ने बताया कि मैं अपनी मृत्यु के बाद अपने शरीर को चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिए दान करने का संकल्प लेती हूं, और उन्होंने बताया कि देहदान शरीर रचना विज्ञान के अध्ययन और चिकित्सा छात्रों को प्रशिक्षण के लिए महत्वपूर्ण है, देहदान के साथ साथ अंगदान भी किया जा सकता है। जिसमें जरूरत मंद लोगो को जीवन दान मिल सकता है, देहदान एक महत्वपूर्ण नैतिक निर्णय है, जिसे परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर सावधानी पूर्वक लेनी चाहिए। देहदान से जुड़े कानून पहलुओं को समझना और उनका पालन करना आवश्यक है। देहदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है ताकि अधिक लोग इस इस नेक कार्य में योगदान कर सकें। देहदान की प्रक्रिया में व्यक्ति को जीवित रहते हुए एक वसीयतनामा भरना होता है, जिसमें मृत्यु के बाद शरीर को चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा के लिए दान करने की इच्छा व्यक्त की जाती है, इसके बाद मृत्यु के बाद परिवार को संबंधित चिकित्सा संस्थान से संपर्क करना होता है, और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करनी होती है।

लायंस क्लब के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष ने कहा कि वंचित वर्ग को समाज के मुख्य धारा में लाना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। लायंस क्लब के नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष एडवोकेट लायन उदय चन्दानी जी ने कहा कि वंचित वर्ग को समाज के मुख्य धारा में लाना और जनहित के लिए स्थाई परियोजनाओं का विकास करना ही उनका मुख्य लक्ष्य होगा। नवनिर्वाचित नेतृत्व के अभिनंदन के लिए आज प्रयागराज मे आयोजित एक समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ जिसमें नवनिर्वाचित गवर्नर उदय चन्दानी जी, उपमंडलाध्यक्ष प्रथम उमेश चंद्र कक्कड़ जी, उपमंडलाध्यक्ष द्वितीय श्याम बाबू वर्मा जी, पूर्व अंतरराष्ट्रीय निदेशक डॉ जगदीश गुलाटी जी, सिंगरौली विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल जी तथा अन्य गणमान्य लायन लीडर्स मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ लियो क्लब रेनबो के बच्चों द्वारा ईश वंदना और स्वागत नृत्य के द्वारा किया गया कार्यक्रम मे सर्वप्रथम रीजन एवं जोन चेयरपर्सन्स के द्वारा अंगवस्त्रम एवं विशिष्ट पुष्पमालाओं के द्वारा नव निर्वाचित नेतृत्व का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया उसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से आये लायन सदस्यों द्वारा माल्यार्पण से नेतृत्व का स्वागत हुआ। समारोह में कैबिनेट सचिव राकेश मोहन, मंडल कोषाध्यक्ष सतीश टंडन जी, मंडल जनसम्पर्क अधिकारी बृजेंद्र वाजपेई जी के साथ आयोजक मण्डल डीडीजी जगमोहन अग्रवाल, मंडल के मुख्य सलाहकार अनिल जायसवाल, मुख्य प्रशासक संजय गुप्ता, मेयर अजय अवस्थी, वीरेंद्र जायसवाल, हिमांशु गुप्ता, ऋषि सेठी के अलावा अन्य कई गणमान्य लायन सदस्य मौजूद थे इस कार्यक्रम का आयोजन प्रयागराज के लायंस क्लब के रीजन एवं जोन अधिकारियों द्वारा किया गया जिसमें लायन अनूप सिंह, विशाल खरे, रोहित जायसवाल, गौरव गुप्ता कमल क्रांति माधवी अग्रवाल, आर के साहू, सुनीता चौधरी, तृप्ति पवार, शालिनी गुप्ता, मीना मध्यान, शालू पहवा, अंजना शुक्ला, आरती सक्सैना, शिव मूरत गुप्ता, संजय चढ़ा,सुशील श्रीवास्तव, एस पी श्रीवास्तव,रवि भूषण, नाजिम अली, पवन गोयल, नितिन मिश्रा आदि प्रमुख थे।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

स्वास्थ्य कर्मियों के शोषण व धन उगाई के संबंध में स्वास्थ महिला कर्मचारियों ने उग्र प्रर्दषन कर बुलंद की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रविवार को सीएमओ आ गया है महानिदेशक परिवार कल्याण उत्तर प्रदेश के कार्यालय हैं की इन कर्मचारियों स्थांनतरण किया जाय संगठन की स्वास्थ

ऑफिस के गेट पर हनुमान मंदिर चबूतरे पर मातृ शिशु कल्याण महिला कर्मचारी संघ रायबरेली की मासिक बैठक आयोजित की गई जिसमें 19 सीएससी में कार्यरत महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों एकत्रित हुई स्वास्थ्य कर्मियों के शोषण व धन उगाई के संबंध में महिलाओं स्वास्थ्य कार्यकर्ता महिलाओं ने अपनी समस्याओं से संघ को अवगत कराया जो स्वास्थ्य कर्मी सुपरवाइजर की ट्रेनिंग कर चुके हैं उनका रिजल्ट 18 मार्च 2026 को से भी नियुक्त का आदेश निर्गत हो चुके हैं इसके बाद भी अभी तक उनको नियुक्ति नहीं किया गया है अन्य जनपदों में नियुक्त कर दी गया है जिलाध्यक्ष रामा यादव ने बताया की सीएमओ आफिस में किसी भी कार्य के लिए अलग अलग रेट निर्धरीत है जैसे प्रमोषन टांसफर के बीस से 40 हजार व संबद्ध करने के लिए 40 हजार और हर कार्य के लिए अलग अलग रेट निर्धारित हैं सीएमओ आफिस के बाबू और स्वास्थ षिक्षा अधिकारी मांग करते कार्यकत्रियों ने मांग की हैं यह भ्रास्टाचार से परेषान और मानसिक उतपीडन कर रहें हैं। और इसका जल्द निराकरण किया जाए नही संगठन काम बंद करके आंदोलन व धरना प्रर्दषन करने के लिए बाध्य होगा जिला मंत्री प्रमिला ,वंदना द्विवेदी पूजा द्विवेदी,संतोष कुमारी, ममता गुप्ता,कविता यादव, किरण सोनी सुधा सिंह सावित्री देवी शोभा पाल राखी सिंह कल्पना हेमलता अनीता वर्मा तारा देवी रीना मौर्य रजिया बेगम बबली सैनी इत्यादि।

गिरीश मिश्रा बने सामान्य जन चेतना मंच के जिला अध्यक्ष, लगा बधाईओ का ताता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। राष्ट्रीय विकल्प मोर्चा को के.के. मिश्रा, अशोक झा, मनीष पांडेय, प्रभाकर झा, मनोज, करने के उद्देश्य से किया गया है।वही नोएडा प्रभारी

मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से सामान्य जन चेतना मंच (एसजीसीएम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज त्रिपाठी द्वारा गिरीश मिश्रा को जिला अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया हैं। इस अवसर पर ब्राह्मण समाज महासंघ जिला अध्यक्ष दिनेश मिश्रा, नोएडा प्रभारी एसजीसीएम राजेश झा, वरिष्ठ पत्रकार प्रफुल्ल पांडेय, संजय झा, आदित्य त्रिपाठी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ब्राह्मण समाज महासंघ आशुतोष झा, सुनील कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। बता दे की गिरीश मिश्रा एक कर्मवीर, सम्मानित, सामाजिक व्यक्ति हैं, और उन्होंने यूजीसी काले कानून के विरोध मे नोएडा में स्वर्ण समाज के सभी व्यक्तियों को एक किया। गिरीश मिश्रा नें बताया कि राष्ट्रीय विकल्प मोर्चा का गठन सभी छोटे-बड़े सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों को एक मंच पर लाकर सामूहिक रूप से कार्य एसजीसीएम राजेश झा नें बताया की मोर्चा के गठजोड़ से जुड़े सभी संगठनों के सर्वसम्मति से अनिल मिश्रा को राष्ट्रीय अध्यक्ष, चंद्रभूषण पांडेय को राष्ट्रीय संयोजक एवं पंकज त्रिपाठी को राष्ट्रीय प्रवक्ता का दायित्व सौंपा गया है। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने गिरीश मिश्रा को शुभकामना देते हुए संगठन को जनहित एवं राष्ट्रहित में और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

60 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ आरोपी हुआ गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। विश्वसनीय मुखबिर से ताला थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम धोबहट नहर के उसके पास से चार प्लास्टिक के डिब्बों में कुल 60 लीटर देशी हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित मणिलोचन सिंह पटेल, उम्र 54 वर्ष, निवासी ग्राम धोबहट, थाना ताला, जिला मैहर (म.प्र.) पंजीबद्ध अपराधः-आरोपी

किनारे एक व्यक्ति दो पीले व दो सफेद रंग के डिब्बों में हाथ भट्ठी की बनी महुआ शराब बिक्री हेतु रखा है। सूचना पर थाना ताला की पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी गई। पुलिस को देखकर एक व्यक्ति भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने अपना नाम समरजीत पटेल पिता मणिलोचन सिंह पटेल, उम्र 54 वर्ष, निवासी ग्राम धोबहट थाना ताला जिला मैहर (म.प्र.) बताया।आरोपी की सहमति से गवाहों के समक्ष तलाशी लेने पर कीमत रु12,000/- है। आरोपी को धारा 47 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही की गई।पूछताछ में आरोपी ने मेमोरेण्डम कथन में बताया कि उसने आज ही ग्राम धोबहट नहर के किनारे 04 डिब्बों में 60 लीटर शराब बनाई थी जिसे वह बिक्री करने हेतु रुका था। जप्तीः-दो पीले रंग के एवं दो सफेद रंग के प्लास्टिक के डिब्बों में कुल 60 लीटर देशी हाथ भट्ठी की कच्ची महुआ शराब, अनुमानित कीमत रु12,000/-, गिरफ्तार आरोपीः-समरजीत पटेल पिता समरजीत पटेल के विरुद्ध थाना ताला में अपराध क्रमांक 148/26 धारा 34(2) म.प्र. आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। सराहनीय भूमिकाः-इस कार्यवाही में निरी. महेन्द्र कुमार मिश्रा थाना प्रभारी ताला, सउनि. समयलाल ठकुरिया, प्र.आर. राकेश मिश्रा, प्र.आर. पंकज मिश्रा, प्र.आर. संजय तिवारी, आर. जितेन्द्र दुबे, आर. शम्भू प्रसाद राय, आर. नागेन्द्र यादव एवं आर. विवेक मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घर-घर पहुंचेगी सपा, नोएडा महानगर व ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ अगले महीने

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा सपा नोएडा लोग पार्टी से जुड़ सके। शालिनी खारी, बबली शर्मा वह राम सहेली ने प्रत्येक पार्टी के

महानगर कैंप कार्यालय सेक्टर 53 नोएडा में रविवार को महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजन किया गया।कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव विकास यादव के द्वारा किया गया। महानगर अध्यक्ष डॉक्टर आश्रय गुप्ता के द्वारा बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने और वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने की रणनीति पर अपने विचार से सबको अवगत कराया। वह बताया कि अगले महीने से सपा नोएडा महानगर की पूरी टीम नोएडा के ग्रामीण क्षेत्र व शहरी इलाके में घर-घर पहुंचने का काम करेगी और व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश सचिव सुनील चौधरी व भरत प्रधान ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता और बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही पार्टी की मुख्य ताकत है। पूर्व अध्यक्ष सूबे यादव व मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जनता की समस्याओं को सुनने और यथासंभव उसका समाधान करने का प्रयास करना चाहिए ताकि ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ता से अपील की सपा कार्य काल में हुए विकास कार्यों को जनता के बीच रखने का काम करें। और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ने का काम करें। आज इस बैठक में मौजूद मुख्य लोगों में। विकास यादव, भीष्म यादव, सुनील चौधरी, भरत प्रधान, सुबे यादव ,बबलू चौहान ,रामवीर यादव, गौरव कुमार यादव, वीरपाल प्रधान, टीटू यादव, मुकेश यादव, लखन यादव, लोकेश यादव, अंकुर पहलवान, अमित बसोया ,शालिनी खारी, देवेंद्र खारी, गौरव सिंघल, बाबूलाल बंसल, राजेश अंवावत,रणपाल अवाना, मुन्ना आलम ,सतवीर यादव, उदयवीर प्रधान, लोकपाल पहलवान, राहुल यादव, विपिन चौहान, सौरभ चौहान, कैलाश यादव ,रविंद्र गौतम वीर बहादुर , रेणुका मेथी, नेहा पांडे ,राम सहेली ,बबली शर्मा, नीरज चौटाला ,इंद्रजीत ठाकुर ,राम अवतार ,जयवीर यादव ,राजकुमार गुप्ता ,मिथिलेश कुमार, आलोक वर्मा ,ओमपाल सिंह, मोहम्मद रब्बानी, नितिन कुमार ,विश्वास ,बरसाती, मोहम्मद सद्दाम, कैलाश चौधरी , मोहम्मद कलाम ,तुषार पाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सोनभद्र में जनहित मुद्दों को लेकर किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर किसान नौजवान संघर्ष मोर्चा के संयोजक ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, तथा वर्षों से लंबित विकास कार्यों को जल्द पूरा कराने की मांग भी की गई। संगठन

संदीप मिश्रा के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जनपद की मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की गई।ज्ञापन में कहा गया कि सोनभद्र देश के आकांक्षी जनपदों में शामिल होने के बावजूद आज भी कई क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। संगठन ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार विभागों की उदासीनता के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। मोर्चा की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में आंगनबाड़ी भर्ती प्रक्रिया में हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने कहा कि जनपद में लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया लंबित है, जिससे पात्र महिलाओं को रोजगार का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अन्य जनपदों में भर्ती पूरी हो चुकी है, लेकिन सोनभद्र में अब तक प्रक्रिया अधूरी है। इसके अलावा ज्ञापन में पेयजल संकट, ने कहा कि गर्मी के मौसम में कई गांवों में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि जनपद में विकास कार्यों की गति काफी धीमी है और कई योजनाएं कागजों तक सीमित हैं। मोर्चा ने प्रशासन से मांग की कि जनहित से जुड़े सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर जल्द समाधान सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान संगठन के कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से चेतावनी भरे स्वर में कहा कि यदि समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अंत में जिलाधिकारी से जनहित में त्वरित कार्रवाई करने की मांग की गयी आज के कार्यक्रम में आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द सुरज कनौजिया दिनेश चेरो विजय चौहान धीरज चौहान बृजेश पनिका उपस्थित रहे।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट, भाजपा मुख्यालय समेत कई इमारतों की सुरक्षा बढ़ी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में संभावित आतंकी हमले को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गई हैं। न्यूज एजेंसी इऊ के सूत्रों के मुताबिक, भाजपा मुख्यालय और आसपास स्थित सरकारी इमारतों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है। इसके बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय के आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि आत्मघाती हमला, कार ब्लास्ट, गोलीबारी या आईईडी के जरिए हमला किया जा सकता है। खतरे को देखते हुए दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य केंद्रीय एजेंसियां लगातार निगरानी कर रही हैं। इलाके में वाहनों की सघन जांच शुरू कर दी गई है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी मॉनिटरिंग बढ़ाई गई है तथा डॉग स्क्वॉड की भी तैनाती की गई है। सुरक्षा एजेंसियों ने आसपास के संवेदनशील इलाकों में भी सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि अब तक किसी हमले या संदिग्ध वस्तु मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। अधिकारियों का कहना है कि यह सुरक्षा अलर्ट एहतियातन जारी किया गया है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके।

बारिश को दृष्टिगत रखते हुए सभी व्यवस्थाएं करें सुनिश्चितः- कलेक्टर

गेहूं उपार्जन हेतु किसान कराए 23 मई तक स्लॉट बुक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। कलेक्टर डॉ.केदार करने हेतु परिवहन कर्ता को गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश आए किसानों से चर्चा कर 23 मई तक स्लॉट बुक करने हेतु

सिंह ने गेहूं उपार्जन केंद्र सामतपुर का औचक निरीक्षण किया।रविवार को कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान उपार्जन केंद्र में अव्यवस्था पाए जाने पर समिति प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने निर्देश दिए की बारिश के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जन केंद्र में पर्याप्त मात्रा में बरसाती पन्नी एवं उपार्जन केंद्र में आने वाले गेहूं का बेहतर ढंग से रख रखाव सुनिश्चित किया जाए। गेहूं खराब होने की स्थिति में समिति प्रबंधक के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने खरीदी केंद्र से ही गेहूं का परिवहन भी दिए जाए, रात में भी गेहूं का उठाव कार्य कराया जाए एवं उपार्जन केंदों में किसानों से शासन द्वारा गुणवत्ता हेतु निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही गेहूं की खरीदी की जाए। कलेक्टर ने समिति प्रबंधक को निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों में आने वाले किसानों के लिए पेयजल की व्यवस्था, छायादार बैठक व्यवस्था, तौलकांटा पर्याप्त मात्रा में बारदाने जैसे अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करें एवं खरीदी पूर्ण पारदर्शिता व समय के साथ कराए। कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन केंद्र में समझाइश दी। उन्होंने ने स्लॉट बुकिंग और उपार्जन की अन्य व्यवस्था और ओटीपी द्वारा भुगतान संबंधित जानकारी भी प्राप्त की। कलेक्टर को किसानों ने स्लॉट बुकिंग के संबंध में भी जानकारी दी जिस पर कलेक्टर ने कहा कि स्लॉट बुकिंग की समस्या के निदान हेतु सतत रूप से तकनीकी टीम से संपर्क रखें जा रहे, किसानों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होगी। निरीक्षण के दौरान सहायक आपूर्ति नियंत्रक श्री प्रदीप द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विन्ध्य कन्या महाविद्यालय में युवा संसद में हिस्सा लेने वाली छात्राओं का सम्मान

लखनऊ विधानसभा में प्रभावशाली वक्तव्य देकर बढ़ाया सोनभद्र का मान, प्राचार्य ने बताया देश का उज्ज्वल भविष्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। विन्ध्य कन्या महाविद्यालय राबर्ट्सगंज में प्रतिभाशाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। खेल मंत्रालय भारत संसद कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली छात्राओं को महाविद्यालय परिवार द्वारा स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्रा सम्मानित कर रहे हैं, जिन्होंने अपने विचार, नेतृत्व और कार्यों से समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी को सिद्ध किया है। हमें विश्वास है कि ये युवा आने वाले

सरकार द्वारा आयोजित युवा संसद कार्यक्रम विधानसभा लखनऊ उत्तर प्रदेश में 1 से 3 मई 2026 तक आयोजित हुआ था। उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने विधानसभा में अपना प्रभावशाली व्यक्तव्य देकर महाविद्यालय और जनपद सोनभद्र का नाम गौरवान्वित किया। युवा तनुश्री बीए छठा सेमेस्टर, आंचल सोनी बीए चतुर्थ सेमेस्टर, गुंजन पाण्डेय बीएड चतुर्थ सेमेस्टर और अंजली बीए द्वितीय सेमेस्टर ने प्रतिभाग किया। छात्राओं को सम्मानित करने के पश्चात उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अंजली विक्रम सिंह ने कहा कि आज हम उन युवा प्रतिभाओं को समय में देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करेंगे। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के मुख्य ट्रस्टी डॉ. अजय कुमार सिंह, डॉ. अनुग्रह नारायण सिंह, डॉ. मालती शुक्ला, डॉ. अरुणेन्द्र, डॉ. गीता सरस्वती एवं समस्त शिक्षणेत्तर कर्मी उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया केमिस्ट बंद को लेकर दवा विक्रेता संघ की बैठक हुई संपन्न, 20 मई को बंद का आह्वान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

मैहर। आज मां शारदा यात्री निवास में जिला दवा विक्रेता संघ मैहर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में 20 मई 2026 को प्रस्तावित ऑल ...डिया केमिस्ट ...द को सफल ...नाने पर चर्चा ...ी गई। पं. ...ीनादयाल ...तवारी जिला ...तना दवा ...क्रेता संघ एवं कोषाध्यक्ष, मध्य प्रदेश,श्री मनीष अग्रवाल कोषाध्यक्ष, जिला सतना दवा विक्रेता संघ, श्री नीरज गर्ग अध्यक्ष, जिला मैहर दवा विक्रेता संघ ने बैठक का संचालन किया बैठक में दवा विक्रेताओं की विभिन्न मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई। आगामी 20 मई 2026, बुधवार को ऑल इंडिया केमिस्ट बंद को पूर्ण समर्थन देने का निर्णय लिया गया।सभी मेडिकल स्टोर/दवा प्रतिष्ठान 20 मई 2026 को सुबह से ही बंद रहेंगे, एवं 11:00 बजे सिविल अस्पताल के सामने सभी दवा व्यापारी एकत्रित होंगे विरोध जता कर प्रदर्शन करेंगे।

कराटे प्रतियोगिता में कार्तिकेय पांडेय ने जीता गोल्ड मेडल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। सनबीम स्कूल में लगभग 300 बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विभिन्न

आयोजित जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में डीएवी स्कूल कक्षा चार के छात्र कार्तिकेय पांडेय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। कार्तिकेय अंतरराष्ट्रीय गोल्ड मेडलिस्ट बॉडीबिल्डर खिलाड़ी आरएस पांडेय के पुत्र हैं। वर्ल्ड मॉडर्न शोतोकान कराटे फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में जनपद भर से आयु वर्ग के खिलाड़ियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। कार्तिकेय पांडेय ने मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि पर सोनभद्र कराटे एसोसिएशन के सचिव अनूप सिंह पटेल ने गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया। कार्तिकेय की सफलता पर विद्यालय परिवार और परिजनों में खुशी का माहौल रहा।

मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण की ओर सशक्त पहल

महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण

को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा रविवार को मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों–जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य–पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को दृष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं ओटीपी साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर, 112 - आपातकालीन सेवा, ,1090 / 1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन।

सोनभद्र पुलिस का 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के विरुद्ध अभियान जारी, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर की गई प्रभावी कार्यवाही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र

अभिषेक वर्मा के निर्देशन में रविवार को जनपद में सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में दिनांक 09.05.2026 को क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ0 चारू द्विवेदी के नेतृत्व में लोढ़ी स्थित टोल प्लाज़ा के पास 'ड्रिंक एंड ड्राइव' के विरुद्ध प्रचलित दो दिवसीय विशेष अभियान के तहत सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान यातायात निरीक्षक, यातायात उपनिरीक्षक एवं सीसी टीम रॉबर्ट्सगंज द्वारा संयुक्त रूप से वाहनों की गहन जांच की गई। चेकिंग के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने, यातायात नियमों के उल्लंघन एवं प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान 'ड्रिंक एंड ड्राइव' में संलिप्त पाए जाने पर 03 ट्रकों को सीज किया गया तथा 02 वाहनों का चालान किया गया। इसके अतिरिक्त ध्वनि प्रदूषण एवं यातायात नियमों के उल्लंघन के दृष्टिगत 30 वाहनों पर प्रेशर हॉर्न के प्रयोग में चालानी कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन, शराब पीकर वाहन न चलाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन संचालन करने तथा प्रेशर हॉर्न का प्रयोग न करने हेतु जागरूक भी किया गया। सोनभद्र पुलिस द्वारा जनपद में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

प्रकाश जीनियस पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मना इंटरनेशनल मदर्स डे, बच्चों ने दी प्रस्तुति

मां के सम्मान में छात्र-छात्राओं ने बनाए कार्ड, नृत्य-गीत से किया भाव विभोर, माताओं को उपहार देकर किया सम्मानित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल में रविवार को बड़े उत्साह के साथ इंटरनेशनल मदर्स

डे मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। छात्र-छात्राओं ने अपनी मां के सम्मान में नृत्य और उंगली पकड़ के मां, जन्म-जन्म, मां तू कितनी अच्छी है आदि गाने प्रस्तुत किये। छात्रों ने अपनी मां के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त करते हुए सुन्दर कार्ड भी बनाए। विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने अपने संबोधन में कहा कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं, और उनका सम्मान करना प्रत्येक बच्चे का कर्तव्य है। उन्होंने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए बच्चों को सदैव अपने माता-पिता का आदर करने की प्रेरणा दी। विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने कहा कि मां हमारे जीवन की पहली गुरु होती हैं और उनका स्थान सबसे ऊंचा होता है। इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में संस्कार, सम्मान और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करने का कार्य करते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम टैगोर नगर में स्थित प्रकाश जीनियस किड्स स्कूल में भी मनाया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों की माताओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव, शिक्षिकाएं साधना पांडे, पूनम, शिखा, श्रद्धा मिश्रा, आकांक्षा मोदनवाल, दीप्ति, छाया गुप्ता, सीता पांडे, अदिति सिंह उपस्थित रहे।

थाना जुगैल पुलिस की प्रभावी कार्यवाही, चेकिंग अभियान के दौरान 50 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ 03 अभियुक्तगण गिरफ्तार, वैधानिक कार्यवाही की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। 'ऑपरेशन नशा मुक्ति अभियान' के अन्तर्गत पुलिस

अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में रविवार को अपराध, अपराधियों एवं सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन/निर्माण एवं बिक्री करने वालों के विरुद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री अमित कुमार के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक जुगैल मय पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान अवैध कच्ची देशी शराब का निर्माण एवं बिक्री करने वाले 03 अभियुक्तों को कुल 50 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार आबकारी अधिनियम के अंतर्गत वैधानिक कार्यवाही की गई। गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण- 01. मुराली कन्नौजिया पुत्र लल्लू कन्नौजिया निवासी ग्राम टापू थाना जुगैल जनपद सोनभद्र, (कब्जे से 15 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद) 02. महादेव खरवार पुत्र स्व0 मनोरथ निवासी ग्राम टापू टोला गोसारी थाना जुगैल जनपद सोनभद्र (कब्जे से 25 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद) 03. रविशंकर खरवार पुत्र महादेव खरवार निवासी ग्राम टापू टोला गोसारी थाना जुगैल जनपद सोनभद्र (कब्जे से 10 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद) गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम- 01. प्र0नि0 शिव प्रताप वर्मा, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र। 02. उ0नि0 मिट्ठू प्रसाद, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र। 03. उ0नि0 विपिन बिहारी राय, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र। 04. हे0का0 अनीश कुमार यादव, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र। 05. का0 पवन यादव, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र। 06. का0 मुकेश कुमार, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र। 07. म0का0 अनीता कुमारी, थाना जुगैल जनपद सोनभद्र।

उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में सोनभद्र पुलिस का शानदार प्रदर्शन, प्राप्त किया 04वाँ स्थान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन

में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु लगातार विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। जनपद पुलिस द्वारा अपराध नियंत्रण, वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी, महिला सुरक्षा, साइबर अपराधों की रोकथाम, यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। जनपद पुलिस की इसी सक्रिय एवं प्रभावी कार्यशैली का परिणाम है कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की 'डिस्ट्रिक्ट फ्लैगशिप - लॉ एंड ऑर्डर' रैंकिंग में माह अप्रैल 2026 में जनपद सोनभद्र ने प्रदेश स्तर पर 04वाँ स्थान प्राप्त किया है। उक्त रैंकिंग में जनपद सोनभद्र को 10.00 में से 8.14 अंक प्राप्त हुए, जो 81.40 प्रतिशत प्रदर्शन को दर्शाता है। यह उपलब्धि जनपद पुलिस के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा एवं टीमवर्क का परिणाम है। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने, अपराधों पर अंकुश लगाने तथा आमजन में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने हेतु समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाते रहे हैं, जिनका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। सोनभद्र पुलिस द्वारा भविष्य में भी कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाए रखने तथा मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की रैंकिंग में निरंतर सुधार हेतु प्रयास लगातार जारी रहेंगे। जनपद पुलिस आमजन की सुरक्षा, सेवा एवं विश्वास के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

गर्मियों में हाइपरनेट्रेमिया का रिस्कऔर क्या हैं ये बला,इन 5 कारणों से बढ़ता ब्लड में सोडियम, 9 संकेत इग्नोर न करें, जानें कैसे बचें

नयी दिल्ली। गर्मियों की तेज धूप के कारण शरीर के अंदर कई बदलाव होते हैं। इनमें से एक है 'हाइपरनेट्रेमिया' यानी ब्लड में सोडियम का बढ़ना। यह कंडीशन अक्सर नजरअंदाज हो जाती है,

लेकिन समय पर ध्यान न देने पर गंभीर समस्या बन सकती है। हाइपरनेट्रेमिया में शरीर में पानी की कमी हो जाती है और ब्लड में सोडियम का लेवल बढ़ने पर कई दिक्कतें होती हैं। इससे बहुत प्यास

लगती है, कमजोरी होती है और चक्कर आते हैं। हीटवेव के दौरान इसका रिस्क कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज हाइपरनेट्रेमिया की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- हाइपरनेट्रेमिया क्यों होता है? इसके लक्षण क्या हैं? इससे कैसे बचा जा सकता है? विषय को समझेंगे सोर्स- डॉ. शिव चड्ढा, कंसल्टेंट, नेफ्रोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। हाइपरनेट्रेमिया केवल ज्यादा नमक खाने से नहीं होता, बल्कि ज्यादातर मामलों में यह शरीर में पानी की कमी का परिणाम होता है। गर्मियों में प्यास को नजरअंदाज करना इस समस्या को गंभीर बना सकता है। सवाल- गर्मियों में हाइपरनेट्रेमिया का रिस्क क्यों बढ़ जाता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- गर्मियों में ज्यादा पसीना आने से बॉडी डिहाइड्रेट हो जाती है। इससे ब्लड में सोडियम का कॉन्संट्रेशन बढ़ जाता है। गर्मियों में डायरिया, उल्टी या डायबिटीज इंसिपिडस (एक मेडिकल कंडीशन है, जिसमें बार-बार बहुत ज्यादा पेशाब आती है और लगातार प्यास लगती रहती है।) जैसी कंडीशंस ज्यादा होती हैं। इसलिए यह समस्या ज्यादा होती है। धूप में काम या एक्सरसाइज करने से भी इसका रिस्क बढ़ जाता है। सवाल- हाइपरनेट्रेमिया के संकेत क्या हैं? जवाब- हाइपरनेट्रेमिया में शरीर में पानी की कमी और ब्रेन पर असर से कुछ लक्षण दिखाई देते हैं। बहुत ज्यादा प्यास, होंठ सूखना स्किन ड्राई होना,कमजोरी थकान चक्कर आना कोई काम न कर पाना, न्यूरोलॉजिकल,लक्षण- चिड़चिड़ापन भ्रम फोकस में दिक्कत, गंभीर लक्षण- मसल्स में ऐंठन,चक्कर, बेहोशी,सवाल- हाइपरनेट्रेमिया होने पर व्यक्ति को कब तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए? जवाब- हाइपरनेट्रेमिया में हर केस इमरजेंसी नहीं होता, लेकिन कुछ

कंडीशंस में तुरंत हॉस्पिटल ले जाना जरूरी है। जैसेकि- जब व्यक्ति को बेहोशी या बहुत ज्यादा सुस्ती लगे।बार-बार दौरे पड़ें। भ्रम की स्थिति बने या अजीब व्यवहार दिखे। बहुत ज्यादा प्यास लगे, लेकिन पानी न पी पाए। तेज बुखार और ज्यादा कमजोरी महसूस हो। दिल की धड़कन तेज हो या सांस लेने में दिक्कत हो। यूरिन बहुत कम आए या बंद हो जाए। बुजुर्ग, बच्चे या पहले से बीमार व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। सवाल- किन लोगों को हाइपरनेट्रेमिया का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता हैसवाल- हाइपरनेट्रेमिया का इलाज

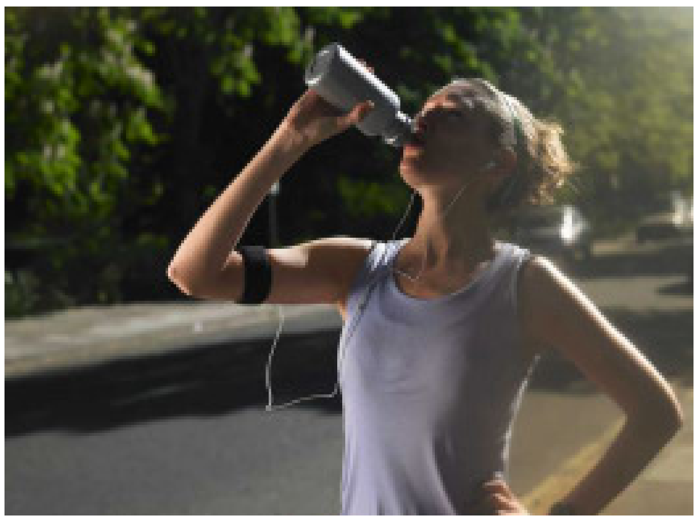

क्या है? जवाब- इसके इलाज में पानी और सोडियम के बीच बैलेंस बनाया जाता है। इसके लिए-धीरे-धीरे पानी की कमी पूरी की जाती है। पेशेंट्स को ओरल (पानी/ओआरएस) या आईवी फ्लूइड्स फ्लूइड्स दिए जाते हैं। सोडियम

को बहुत तेजी से कम करना खतरनाक हो सकता है, इसलिए इलाज धीरे-धीरे किया जाता है। हल्के मामलों में पर्याप्त पानी पीना ही काफी होता है। इसके साथ

हाइपरनेट्रेमिया की वजह का भी ट्रीटमेंट किया जाता है- डायरिया/

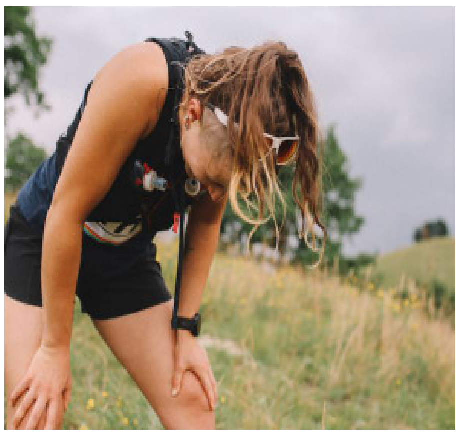

उल्टी हो तो उसका इलाज।

डायबिटीज इंसिपिडस का मैनेजमेंट। बुखार या संक्रमण का ट्रीटमेंट। इलेक्ट्रोलाइट्स की निगरानी। खून में सोडियम और अन्य इलेक्ट्रोलाइट्स का रेगुलर टेस्ट।सवाल- क्या हाइपरनेट्रेमिया लाइफ थ्रेटनिंग भी हो सकता है? जवाब- हां, यह लाइफ थ्रेटनिंग हो सकता है, खासकर जब इसका लेवल (सोडियम) बहुत ज्यादा बढ़ जाए या इलाज में बहुत देर हो जाए। जब ब्लड में सोडियम बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, तो यह ब्रेन की सेल्स को प्रभावित करता है। इससे कन्फ्यूजन, चक्कर, और बेहोशी हो सकती है। गंभीर स्थिति में दौरे पड़ सकते हैं। यह ब्रेन शिंक और न्यूरोलॉजिकल डैमेज का कारण बन सकता है।

समय पर इलाज न मिले तो पेशेंट कोमा तक जा सकता है। गंभीर मामलों में मौत भी हो सकती है। सवाल- क्या हीटवेव के दौरान इसके केस बढ़ते हैं? जवाब- हां, हीटवेव के दौरान इसके केस बढ़ जाते हैं। पॉइंट्स में समझें-हीटवेव में ज्यादा पसीना आता है, जिससे शरीर से पानी तेजी से निकलता है।पर्याप्त पानी न पीने पर डिहाइड्रेशन हो जाता है, जो इसका मुख्य कारण है। गर्मी में लंबे समय तक रहने या धूप में काम करने से फ्लूइड लॉस बढ़ जाता है। बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोग हीटवेव में जल्दी डिहाइड्रेट हो जाते हैं। हीटवेव के दौरान प्यास लगने के बावजूद पानी कम पीना भी एक आम समस्या है। कुछ मामलों में हीटवेव के साथ हीट स्ट्रोक भी हो सकता है, जो स्थिति को और गंभीर बना देता है। सवाल- क्या सिर्फ पानी कम पीने से यह समस्या हो सकती है? जवाब- हां, सिर्फ पानी कम पीने से भी हाइपरनेट्रेमिया हो सकता है, खासकर कुछ कंडीशंस में। पॉइंट्स में समझें-जब व्यक्ति पर्याप्त पानी नहीं पीता, तो शरीर में पानी की कमी हो जाती है। पानी कम होने से ब्लड में सोडियम की मात्रा बहुत बढ़ जाती है। यह समस्या खासकर गर्मियों या हीटवेव में ज्यादा होती है। बुजुर्ग, छोटे बच्चे या जो खुद से पानी नहीं पी पाते, उन्हें रिस्क ज्यादा होता है। अगर इसके साथ पसीना, बुखार भी हो तो स्थिति जल्दी बिगड़ सकती है। हालांकि कई मामलों में सिर्फ पानी की कमी के अलावा अन्य कारण जैसे डायरिया, उल्टी भी हो सकते हैं। सवाल- हाइपरनेट्रेमिया से बचाव के लिए क्या करें? जवाब- हाइपरनेट्रेमिया से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है शरीर में पानी और सोडियम का बैलेंस बनाए रखना। पर्याप्त पानी पिएं। प्यास का इंतजार न करें। इलेक्ट्रोलाइट्स लेते रहें। तेज धूप में न निकलें। हल्के सूती कपड़े पहनें। ज्यादा नमक न खाएं। अल्ट्राप्रोसेस्ड/पैकेज्ड फूड न खाएं। शुगरी ड्रिंक्स न पिएं। हाइड्रेटिंग फल खाएं।डायरिया/उल्टी में सतर्क रहें। रिस्क ग्रुप ज्यादा सतर्क रहें। कुछ पॉइंट्स विस्तार से समझें-1. शरीर को हाइड्रेट रखें दिनभर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। प्यास लगने का इंतजार न करें। बाहर निकलने से पहले और लौटने के बाद पानी जरूर पिएं। 2. इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस बनाए रखें ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी को डाइट में शामिल करें। ज्यादा पसीना आने पर सिर्फ पानी नहीं, इलेक्ट्रोलाइट्स भी जरूर लें। 3. गर्मी और धूप से बचाव करें-दोपहर (12-4 बजे) की तेज धूप में बाहर निकलने से बचें। बाहर जाना हो तो छाता, टोपी या गमछा इस्तेमाल करें। ढीले, हल्के और कॉटन कपड़े पहनें। 4. संतुलित और हल्की डाइट लें-बहुत ज्यादा नमक और प्रोसेस्ड फूड न खाएं। पानी से भरपूर फल-सब्जियां (जैसे तरबूज, खीरा, संतरा) ज्यादा खाएं। कैफीन और बहुत मीठे ड्रिंक्स सीमित रखें। 5. डायरिया या उल्टी को नजरअंदाज न करें-तुरंत ओआरएस लेना शुरू करें। लंबे समय तक लक्षण बने रहें तो डॉक्टर से संपर्क करें।बच्चों और बुजुर्गों के साथ खास सतर्कता रखें। 6. रिस्क ग्रुप का विशेष ध्यान रखें- छोटे बच्चों और बुजुर्गों को समय-समय पर पानी पिलाते रहें। जो लोग खुद से पानी नहीं पी पाते, उनकी निगरानी करें। बीमार या बेडरिडन मरीजों का फ्लूइड इनटेक ट्रैक करें। 7. पहले से मौजूद बीमारियों को कंट्रोल में रखें-किडनी डिजीज, हॉर्मोनल प्रॉब्लम्स का इलाज कराएं। डॉक्टर की सलाह से दवाएं समय पर लें। डाइयूरेटिक (पेशाब बढ़ाने वाली) दवाएं ले रहे हों तो डॉक्टर से पानी की मात्रा पर सलाह लें। 8. शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करें-ज्यादा प्यास, मुंह सूखना, कमजोरी जैसे संकेत दिखें तो तुरंत पानी/फ्लूइड लें।कन्फ्यूजन, चक्कर या सुस्ती बढ़े तो तुरंत मेडिकल मदद लें।

आरसीबी कोच एंडी फ्लावर पर मैच फीस का 15फीसदी जुर्माना,अंपायर से बहस और गलत शब्दों का इस्तेमाल किया, मुंबई के खिलाफ मैच की घटना

मुंबई। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

(आरसीबी) के हेड कोच एंडी फ्लावर पर बीसीसीआई ने सख्त कार्रवाई की है। मैच के दौरान अंपायर से आक्रामक व्यवहार और अपशब्दों के इस्तेमाल पर उन पर मैच फीस का 15फीसदी जुर्माना लगाया गया है। यह घटना रविवार 10 मई को रायपुर में आरसीबी बनाम एमए मैच के दौरान हुई। 18वें ओवर में एंडी फ्लावर चौथे अंपायर से किसी फैसले को लेकर तीखी बहस करते नजर आए। आईपीएल की गवर्निंग बॉडी ने इसे अनुशासनहीनता मानते हुए लेवल-1 का अपराध घोषित किया है। अंपायर से उलझे एंडी, माइक में कैद हुए अपशब्द-रिपोर्ट के मुताबिक, मैच के रोमांचक मोड़ पर एंडी फ्लावर डगआउट के पास मौजूद चौथे अंपायर से आक्रामक तरीके से बात करने लगे। आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के अनुच्छेद 2.3 के तहत मैच के दौरान 'ऑडिबल ऑब्सेनिटी' (सुनाई देने वाले अपशब्द) का इस्तेमाल प्रतिबंधित है। एंडी फ्लावर के शब्द ब्रॉडकास्टिंग माइक में सुनाई दिए, जिसके बाद मैच रेफरी अमित शर्मा ने उन पर पेनल्टी लगाई। एंडी फ्लावर ने गलती मानकर सजा स्वीकार कर ली है। आईपीएल के नियमों के मुताबिक, आर्टिकल 2.3 उन खिलाड़ियों या अधिकारियों पर लागू होता है जो मैच के दौरान अभद्र या अश्लील भाषा का इस्तेमाल करते हैं। चूंकि एंडी फ्लावर ने गलती स्वीकार कर ली है, इसलिए मामले में औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईपीएल में कोच और सपोर्ट स्टाफ पर जुर्माना लगना दुर्लभ माना जाता है, लेकिन अंपायर के सम्मान को लेकर बोर्ड इस बार गंभीर नजर आ रहा है। आईपीएल 2026 में अनुशासन को लेकर बीसीसीआई का रुख कड़ा रहा है। एंडी फ्लावर से पहले कई कप्तान और खिलाड़ी अपनी मैच फीस का बड़ा हिस्सा जुर्माने में गंवा चुके हैं।

चेस कोई सस्ता खेल नहीं- एक ग्रैंडमास्टर बनने में खर्च होते हैं 50 से 70 लाख रुपए

हालिया ग्रैंडमास्टर्स के माता-पिता को बेचने पड़े गहने

कोलकाता। अक्सर लोगों को लगता है कि शतरंज एक सस्ता खेल है, क्योंकि इसमें अन्य खेलों की तरह महंगे उपकरण, बड़े स्टेडियम या स्पोर्ट्स साइंस टीम

की जरूरत नहीं होती। लेकिन भारत के नए शतरंज ग्रैंडमास्टर्स की सफलता की सच्चाई ने इस मिथक को पूरी तरह तोड़ दिया है। असलियत यह है कि आज एक बच्चे को ग्रैंडमास्टर (जीएम) बनाने में 50 से 70 लाख रुपए का भारी खर्च आता है। हाल ही में भारत के 95वें ग्रैंडमास्टर बने आरोन्यक घोष और 94वें ग्रैंडमास्टर मयंक चक्रवर्ती के परिवारों का संघर्ष इसका जीता-जागता प्रमाण है। आरोन्यक के पिता मृणाल घोष बताते हैं कि

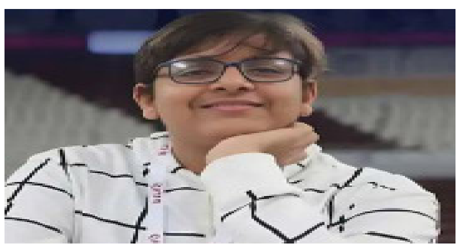

उन्होंने अपने बेटे के ऊपर पिछले 15 सालों में लगभग 46 लाख रुपए खर्च किए। उनका मानना है कि भारत में जीएम बनने के लिए यह शायद सबसे कम राशि है। बैंकॉक चेस क्लब ओपन में तीसरा और अंतिम जीएम नॉर्म हासिल करने वाले आरोन्यक के लिए पिता को पुश्तैनी जमीन और मां संचिता को शादी के गहने बेचने पड़े। इनामी राशि की पाई-पाई खेल में वापस लगा दी गई। वहीं, पूर्वोत्तर भारत के इकलौते जीएम मयंक की मां मोनोमिता चक्रवर्ती कहती हैं कि शुरुआत से जीएम बनने तक माता-पिता को 70 लाख रुपए तैयार रखने चाहिए। यह सिर्फ जीएम बनने तक का खर्च है। 12 वर्षीय फीडे मास्टर (जीएम से दो कदम पीछे) आरव सरबलिया के पिता यतिन का अनुमान है कि केवल 2025 में उन्होंने आरव पर 25-30 लाख रुपए खर्च किए। वे टूर्नामेंट के लिए 4 महीने तक विदेश में रहे। स्पॉन्सरशिप न मिलने पर उन्होंने कमाई के लिए सोशल मीडिया पर कंटेंट बनाना शुरू कर दिया। चेस में सबसे बड़ा खर्च कोचिंग है। ग्रैंडमास्टर कोच की फीस 10,000 से 20,000 रुपए प्रति घंटा होती है और एक से ज्यादा कोच रखने पड़ते हैं। नॉर्म्स के लिए साल में 6-8 यूरोप दौरों का खर्च 15-20 लाख रुपए आता है। प्रैक्टिस के लिए ट्रेनिंग पार्टनर और 'सेकेंड्स' (जो मैच की तैयारी कराते हैं) को घंटे के हिसाब से भारी फीस देनी पड़ती है। कई बार ये कोच इनामी राशि में भी हिस्सा मांगते हैं। मृणाल घोष कहते हैं कि 2500 रेटिंग पार कर जीएम बनने पर आयोजक रुकने व फ्लाइट का खर्च उठाते हैं, लेकिन मेरा बेटा 2550 रेटिंग पर है। इसे 2650 तक ले जाने में इतना पैसा लगेगा कि मैं सपने देखने से भी डरता हूं।स्पॉन्सरशिप मुश्किल, शेयरिंग अपार्टमेंट्स में रहते हैंचेस के खेल में स्पॉन्सर मिलना मुश्किल है। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया की प्रोत्साहन राशि भी बंद हो गई है। ऐसे में गुवाहाटी से आने वाले मयंक को विदेशी दौरे पर कनेक्टिंग फ्लाइट का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ता है। खर्च बचाने के लिए परिवार यूरोप में सस्ते शेयरिंग अपार्टमेंट में रुकते हैं और घर का खाना ले जाते हैं।

बार्सिलोना ने 29वां ला लीगा खिताब जीता,रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया-मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए

नयी दिल्ली। बार्सिलोना ने स्पेनिश फुटबॉल लीग 'ला लीगा' का खिताब फिर जीत लिया। रविवार को एल क्लासिको में टीम

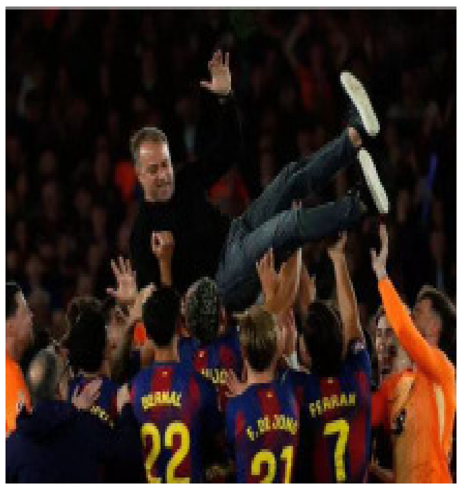

ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने सीजन के तीन मैच बाकी रहते अपनी 29वीं ला लीगा

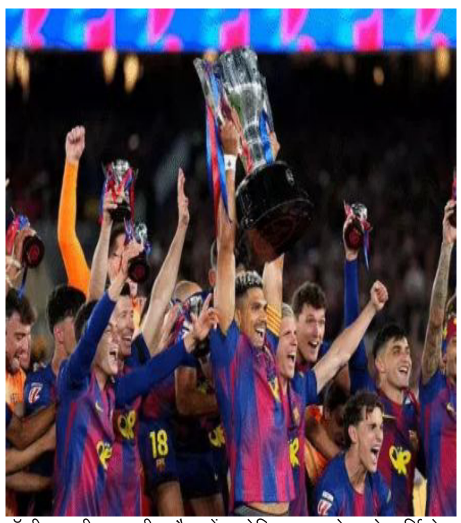

ट्रॉफी पक्की कर ली। मैच में मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस ने गोल किए। जीत के बाद बार्सिलोना और रियल मैड्रिड के बीच अंकों का अंतर 14 हो गया, जिसे पार करना रियल मैड्रिड के लिए नामुमकिन है। यह मुकाबला बार्सिलोना के घरेलू मैदान कैंप नाउ पर खेला गया। मैच के दौरान बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भावुक संदेश दिया। गोल करने के बाद मार्कस रशफोर्ड और फेरान टोरेस हेड कोच हंसी फ्लिक के पास गए और उन्हें गले लगाया। कोच फ्लिक के पिता का पिछले वीकेंड निधन हुआ था। खिलाड़ियों ने जीत और गोल को कोच और उनके परिवार को समर्पित किया। रशफोर्ड का जादू: फ्री-किक से शुरुआत, भविष्य पर सस्पेंस-मैच की शुरुआत में मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर आए मार्कस रशफोर्ड ने शानदार फ्री-किक से बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। यह इस सीजन का उनका 14वां गोल था। हालांकि, बार्सिलोना उन्हें 28 मिलियन पाउंड (करीब ?300 करोड़) में परमानेंट खरीदेगा या नहीं, इस पर सस्पेंस बना हुआ है। मैच के बाद रशफोर्ड ने कहा,'मैं कोई जादूगर नहीं हूं, लेकिन अगर होता तो बार्सिलोना में ही रुक जाता। देखते हैं भविष्य में क्या होता है।' इस सीजन में बार्सिलोना ने घरेलू मैदान 'कैम्प नोऊ' में खेले सभी 18 मुकाबले जीते हैं। टीम पिछले 11 मैचों से अजेय है और लीग के सभी 35 मैचों में गोल करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। बार्सिलोना अब सबसे ज्यादा 36 ला लीगा खिताब जीतने वाली रियल मैड्रिड से 7 खिताब पीछे है। लिए यह हार दर्दनाक रही। कोच अल्वारो अर्बेलोआ के मार्गदर्शन में टीम संघर्ष करती नजर आई। टीम के अंदरूनी हालात भी ठीक नहीं हैं। मैच से कुछ दिन पहले ऑरेलियन टचौमेनी और फेडेरिको वाल्वरडे के बीच बहस हुई थी। इसमें वाल्वरडे को चोट लगी और वे मैच नहीं खेल पाए। पूरे 90 मिनट में रियल मैड्रिड केवल एक शॉट टारगेट पर मार सकी।

आर्थिक हकीकत के असर को एआई ‘कुशन’ बनकर संभाल सकता है

मुझे लगता है कि रविवार को हमारे देश की ज्यादातर मांओं ने अपने बच्चों से यही कहा होगा कि ‘इतनी परेशानी उठाने की जरूरत नहीं, सिर्फ शुभकामना ही काफी है।’ यह उन्होंने तब कहा होगा, जब बच्चे कहीं बाहर मदर्स डे सेलेब्रेट करना या कोई तोहफा खरीदना चाहते होंगे।बच्चे सोचते हैं कि ‘मां ने मेरे लिए जो किया, उसकी तुलना किसी गिफ्ट से नहीं हो सकती।’ जबकि मांएं सोचती हैं कि ‘भावनाओं की कीमत किसी गिफ्ट से कहीं ज्यादा है।’ मदर्स डे पर अकसर कई घरों में मांओं का यही जवाब होता है- ‘पैसे खर्च करने की क्या जरूरत है?’ साल में एक बार का ऐसा सेलेब्रेशन भी जब आर्थिक हकीकत से प्रभावित होने लगे तो मैंने और दोस्तों ने इस रविवार कुछ अलग करने की ठानी। हमने सोचा, क्यों न मांओं को खाना बनाना सिखाया जाए? मुझे पता है आप कह रहे हैं, ‘ये कैसी बकवास है?’ रुकिए, टूट मत पड़िए। आज कुकिंग क्लास में हमारा प्रयोग थोड़ा अलग था। हमने उनसे यह नहीं पूछा कि क्लास के लिए उनके दिमाग में कौन-सी ?डिश है। बल्कि हमने पूछा- ‘फ्रिज में क्या बचा है?’ हमने उन चीजों की जानकारी एआई में डाली और रेसिपी बनाने को कहा। तयशुदा रेसिपीज में स्क्रॉलिंग के बजाय मांओं ने उपलब्ध चीजें डालीं और उन्हें एआई से तैयार निर्देश मिल गए। उन्होंने खुद ही बताया कि क्या चीजें उनके पास हैं, और क्या नहीं। एआई ने उसी हिसाब से रेसिपी में बदलाव कर दिए। पारंपरिक रेसिपी प्लेटफॉर्म सर्च आधारित होते हैं। वे मानकर चलते हैं कि यूजर पहले ही जानता है कि क्या बनाना है। लेकिन नए सिस्टम में एआई ने इनपुट के आधार पर खुद की रेसिपी तैयार करके इस जरूरत को समाप्त कर दिया है। मांओं को यह भा गया, क्योंकि इसमें उपलब्ध चीजों का ही इस्तेमाल हो रहा था। जो चीजें अनुपयोगी रह जातीं, उनसे पूरा खाना, हल्का स्नैक या झटपट आरामदायक भोजन बन गया। एआई रेसिपी में सबसे खास यह था कि यह टूल खुद को यूजर की जरूरत के अनुसार ढाल लेता है।मसलन, कैलोरी टारगेट्स, खानपान परहेज या पकने का समय। जैसे, कोई एआई से कह सकता है कि ‘मुझे इन चीजों से 10 मिनट में पकने वाला खाना बनाना है।’ हालांकि, एआई रेसिपीज में कुछ व्यावहारिक दिक्कतें भी हैं। कुछ आउटपुट्स में मात्रा अस्पष्ट थी, कुछ स्टेप्स और कॉम्बिनेशन गायब थे, जिनमें बदलाव और मानवीय समझ की जरूरत थी। लेकिन कुकिंग की बुनियादी समझ रखने वालों ने उन्हें सुधार लिया। सिस्टम ने शुरुआत बता दी, लेकिन निष्कर्ष इस पर निर्भर था कि मांओं या यूजर्स ने निर्देशों को कैसे समझा और बेहतर किया। हमें यह विचार यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा के एआई प्रोग्राम के जरिए विकसित एक काम को पढ़ने के बाद आया। इसमें दिखाया गया था कि कैसे लैंग्वेज मॉडल कुछ सेकंड में सामग्री के स्टेप्स और खाना पकाने के समय के साथ व्यवस्थित रेसिपी बना सकते हैं। यह सिस्टम किसी पुरानी रेसिपी को ही फिर से पेश करने के बजाय बड़े डेटासेट्स से जानकारी लेकर यूजर की जरूरत के अनुसार रेसिपी बनाता है। इसमें यह भी बताया गया कि रेसिपी में न्यूट्रिशन एनालिसिस कैसे जोड़ सकते हैं, ताकि मांएं कुकिंग स्टेप्स के साथ अनुमानित न्यूट्रिशनल वैल्यू भी देख सकें। अब मांओं को यह कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी कि ‘मैं पिछले 40 साल से यही खा रही हूं और मुझे कुछ नहीं हुआ।’ बल्कि वे कह सकती हैं कि ‘इस डिश के 100 ग्राम में सिर्फ 83 कैलोरी है।’ हालांकि, एआई रेसिपी की स्वीकार्यता डिश के प्रकार पर निर्भर है। जब मांएं किसी डिश को जानती थीं तो वे आत्मविश्वास से भरी दिखीं। लेकिन जैसे ही रेसिपी ज्यादा प्रयोगात्मक हुईं तो उनका आत्मविश्वास कम हो गया। वे अपनी ही कुकिंग स्किल पर शक करने लगीं। वे अनजाने कॉम्बिनेशन पर भरोसा करने में कम इच्छुक दिखीं। लेकिन कुल मिलाकर, एआई की मदद से खाना पकाने का यह नया तोहफा न सिर्फ मजेदार था, बल्कि मांएं स्मार्टफोन के साथ सहज भी हो गईं। फंडा यह है कि जब तक बच्चे मांओं को अपने ख्यालों में रखते हैं, तब तक उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि बच्चों का तोहफा सस्ता है या महंगा। एन. रघुरामन

कम से कम मदर्स डे पर तो मां के ‘निर्णय लेने के बोझ’ को कम कीजिए

‘बेटा, गुड़िया का बाथरूम इस्तेमाल मत करो। तुम उसे गंदा छोड़ देते हो और उसे यह अच्छा नहीं लगता,’ मां रसोई से आवाज लगाकर कहती हैं, फिर भी बेटा वही वॉशरूम इस्तेमाल करता है। दो अलग-अलग आकार की सैंडविच बनाते हुए- क्योंकि गुड़िया को चार टुकड़ों में कटा सैंडविच पसंद है, जबकि बेटे को त्रिकोण आकार वाला- वे जल्दी से गुड़िया के बाथरूम में जाकर यह सुनिश्चित भी करती हैं कि वह सूखा हो। ऐसा करते हुए वे बड़बड़ाती हैं, ‘यह लड़का तो कभी मेरी सुनता ही नहीं।इसे समझ नहीं आता कि गुड़िया अब बड़ी हो गई है और उसे अपनी प्राइवेसी चाहिए।’ आज घर में कौन क्या खाएगा, बेटी को आज क्लास में क्या पहनकर जाना चाहिए, कितने बजे घर से निकलना चाहिए ताकि देरी न हो, परिवार के हर सदस्य की वह कौन-सी समस्या है जिसे उनके बाहर निकलने से पहले सुलझाना जरूरी है, पालतू जानवरों को कब घुमाने ले जाना है, मेड के आने पर उसे क्या निर्देश देने हैं- इन तमाम फैसलों के साथ ही वे पति का वालेट देखकर यह भी चेक करती हैं कि उसमें रुपए हैं या नहीं, क्योंकि वे हमेशा यह कहकर उसे खाली छोड़ देते हैं कि अब हर जगह ऑनलाइन भुगतान हो जाता है, और फिर किसी छोटी-सी वजह से कैश के अभाव में उलझ जाते हैं।वे पूरा दिन फैसले लेते हुए बिताती हैं- छोटे फैसले, बड़े फैसले, लगातार फैसले, यहां तक कि वे फैसले भी जो किसी को दिखाई तक नहीं देते। घर-परिवार नाम की मशीनरी को चलाने का मानसिक बोझ कोई छोटा काम नहीं है। मातृत्व हमेशा से थकान और त्याग की ऐसी कहानी रहा है, जिसे निभाया तो जाता है, पर जिसके बारे में बोला नहीं जाता। उनका गुस्सा भी हमेशा क्षणिक होता है। जब बेटी पीछे से आकर उन्हें गले लगाती है और कहती है, ‘मां, आई लव यू,’ तब किसी को समझ नहीं आता कि कुछ मिनट पहले पूरे घर पर बरस रहा उनका गुस्सा अचानक कहां पिघल गया। वे भी उसे हल्के से गले लगाते हुए एक सांस में कहती हैं, ‘अच्छा, अच्छा, मैं भी तुमसे प्यार करती हूं। लेकिन यह तैयार होने का समय है?देखो, अब नाश्ते के लिए भी टाइम नहीं बचा। इसीलिए मैं हमेशा कहती हूं कि जल्दी सोया करो।’ हमारे दौर की मांएं देखभाल करने वाली थीं, लेकिन आज के मातृत्व में एक अलग तरह का मानसिक बोझ जुड़ गया है। ‘क्या तुम अपना चार्जर ले गए हो?’ जैसे सबसे साधारण सवाल पूछने से लेकर पति की कार के फास्टैग में टोल का पैसा डलवाने जैसी जटिल चीजों तक- वे सब कुछ मानसिक रूप से संभाल रही होती हैं।हमारे दौर की मांओं की तरह वे भी चाहती हैं कि आप उनकी सराहना करें, लेकिन उससे भी अधिक आज की मांएं सचमुच चाहती हैं कि कोई देखे वे अपने बच्चों, साथी और विस्तारित परिवार के लिए क्या-क्या करती हैं, और वो भी अपनी पूर्णकालिक नौकरी करते हुए। आज के पिता पहले से कहीं अधिक इनवॉल्व्ड हैं, फिर भी कई घरों में घरेलू व्यवस्था को चलाए रखने का दिखाई तक नहीं देने वाला काम और मानसिक बोझ मांएं ही अधिक उठाती हैं।बात केवल यह नहीं है कि क्या किया जा रहा है, बल्कि यह याद रखना भी है कि किस काम को परिवार के किस सदस्य की सुविधा के अनुसार सही समय पर किया जाना है। और यह याद रखना भी उसी का हिस्सा है कि किसे पनीर पसंद है और किसे नहीं। और इसीलिए मदर्स डे को भी उनकी टु-डु लिस्ट का एक और काम नहीं बन जाना चाहिए। उनसे यह मत पूछिए कि ‘आप मदर्स डे कैसे मनाना चाहती हैं?’

उनसे यह मत पूछिए कि ‘आप क्या खरीदना चाहती हैं?’ वे यह नहीं बताना चाहतीं कि ब्रंच के लिए उन्हें किस रेस्तरां में जाना है, कौन-सी साड़ी खरीदनी है या कौन-से छोटे गहने लेने हैं। उनकी बेटी, बेटे और पति को यह पता होना चाहिए कि उन्हें क्या पसंद है और वे क्या पहनना चाहती हैं। वे मदर्स डे के दिन भी फैसले नहीं लेना चाहतीं। कम से कम आज के दिन ?तो उन्हें घर की व्यवस्था चलाने से राहत दीजिए, हालांकि मैं तो चाहूंगा कि आप ऐसा अकसर करें। मेरी मां सितारों से मुझे देखकर मुस्करा रही होंगी कि मैं आपको आज अपनी मां को बिना कोई फैसला लिए दुलार करने की सलाह दे रहा हूं।फंडा यह है कि मांओं को अच्छा लगता है जब उन्हें यह महसूस होता है कि आप उनकी पसंद की सबसे छोटी चीज पर भी ध्यान देते हैं। यह केवल उनके लिए राहत की बात नहीं होती कि उन्होंने अच्छे और संवेदनशील बच्चों की परवरिश की है, बल्कि इससे उन्हें यह भी महसूस होता है कि उनसे प्यार किया जाता है। और यकीन मानिए, हर मां इसकी हकदार है। एन. रघुरामन

भारत का विरासतों की सुरक्षा जरूरी, बशर्ते उसके उपाय सही हों

भारत का विरासतों के संरक्षण का फ्रेमवर्क बहुत भारी-भरकम, रूखा और प्रतिकूल असर डालने वाला है। यह न तो अतीत को संरक्षित कर पा रहा है, न देश के भविष्य को आगे बढ़ने दे रहा है। इसका कारण 1958 का ‘प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल व अवशेष अधिनियम’ है। यह कानून देश के लगभग 3700 संरक्षित स्मारकों पर एक ही जैसे नियम लागू करता है- यह कि हर स्मारक के चारों ओर 100 मीटर का प्रतिबंधित क्षेत्र हो, जहां कोई निर्माण नहीं हो सकता और 200 मीटर का और नियंत्रित क्षेत्र हो, जहां विकास कार्यों पर कड़ा नियंत्रण होता है। बेहद सख्त लगने वाला यह फ्रेमवर्क असल में प्रभावहीन है। यह तमाम स्मारकों को एक जैसे नियमों में बांधता है, जबकि संरक्षण के लिहाज से बहुत कम फायदेमंद है। इसकी आर्थिक-सामाजिक लागत भी बहुत अधिक है। भारत में संरक्षित स्थलों की सूची असामान्य तरीके से विविधता भरी है। इनमें वैश्विक महत्व के स्थलों से लेकर छोटे-मोटे अवशेष तक हैं। कुछ तो औपनिवेशिक काल से चली आ रहीं कब्रें और कब्रस्तान हैं।सौ से ज्यादा तो ‘कोस मीनारें’ हैं, जो दूरी मापने के चिह्न थे। कुछ ‘संरक्षित स्थल’ असल में चलायमान वस्तुएं हैं, जबकि कुछ कागजों पर हैं। पर सभी पर वही 300 मीटर वाला प्रतिबंध लागू होता है। यह तरीका यदि सच में संरक्षण को बेहतर करता तो इसकी हिमायत की जा सकती थी। लेकिन व्यावहारिकता में यह बिल्कुल उलट है।एक समान प्रतिबंध स्मारकों के आसपास से गतिविधियां खत्म नहीं करता, बल्कि उन्हें अवैध बना देता है। कई स्मारकों के समीप ऐसे निर्माण याद ?कीजिए, जिनका ढांचा स्मारकों की दीवार तक पहुंच जाता है। यही अतिक्रमण किसी भी नियंत्रित विकास से ज्यादा नुकसान स्मारकों को पहुंचाता है। इधर, औपचारिक विकास पर रोक के कारण आसपास कोई सार्थक आर्थिक गतिविधि भी नहीं पनप पाती। इससे वो राजस्व स्रोत भी खत्म होते हैं, जो असल में इन विरासतों को बनाए रखते हैं। मसलन, कैफे, छोटे व्यापार, सांस्कृतिक आयोजन। नतीजतन, स्मारकों का उचित रखरखाव नहीं हो पाता और वे धीरे-धीरे खराब होते जाते हैं। पर्यटन के लिए भी यह उतना ही नुकसानदायक है।

आप स्मारकों पर ऐसे नियम थोप दो तो फिर हैरिटेज टूरिज्म अलग से नहीं पनप सकता। पर्यटकों के लिए आधारभूत ढांचा और बुनियादी सुविधाएं जरूरी होती हैं। लेकिन देश में बहुत से स्मारकों में यह नदारद हैं। प्रतिबंधों के कारण वहां सम्पर्क-सड़क, पार्किंग, सेनिटेशन, लाइटें और जन-सुविधाएं तक बनाना कठिन होता है। इसीलिए कई स्थलों पर तो पहुंचना ही दूभर है।इसके विपरीत, रोम के कोलोजियम, पेरिस के एफिल टावर और लंदन के ऐतिहासिक स्थलों को प्रतिबंधों के बजाय डिजाइन कंट्रोल, इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ सामंजस्य, व्यापारिक गतिविधियों और सार्वजनिक स्थानों के जरिए घने शहरी माहौल से जोड़ा गया है। इसलिए अकेले एफिल टावर पर आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भारत के सभी संरक्षित स्मारकों की मिली-जुली संख्या से चार गुना अधिक है।यह नियम रोजमर्रा के जीवन की गुणवत्ता और गरिमा को भी प्रभावित करता है। शहरों में पूरे के पूरे इलाके इन नियमों में फंसे हुए हैं। महज मरम्मत की अनुमति में पांच साल तक लग जाते हैं। पुणे के शनिवारवाड़ा के आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि प्रतिबंध के चलते वे जर्जर घरों में रहने को मजबूर हैं। मेट्रो कॉरिडोर, अस्पतालों का विस्तार और अन्य शहरी ढांचा विकास योजनाएं भी नियमों में उलझकर वर्षों तक अटकी रहती हैं। आगरा में मंजूरियां नहीं मिलने से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में बुनियादी सुविधाओं के काम अटक गए। कर्नाटक में मदिकेरी किले के प्रतिबंधित क्षेत्र में आने के कारण जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर सुविधा का काम अटक गया। दिल्ली और कोलकाता मेट्रो के कार्यों में भी ऐसी ही बाधाएं आईं। इससे लागत बढ़ती है, जनता को सेवा समय पर नहीं मिलती और आर्थिक अवसर खो जाते हैं। इसका सबसे बड़ा असर उस विशाल जमीन के तौर पर दिखता है, जो इस व्यवस्था में लॉक हो चुकी है। भारतीय शहरों में अनुमानतः करीब 20 लाख करोड़ रुपए की जमीन इन प्रतिबंधित क्षेत्रों में अटकी हुई है। अकेली दिल्ली में करीब 8.7 लाख करोड़ रुपए की करीब 16 हजार एकड़ जमीन इन नियमों में फंसी है।बेहद महंगी और कम शहरी जमीन वाले देश में यह व्यवस्था आपूर्ति को बाधित करती है, कीमतें बढ़ाती है और अंततः विकास को रोकती है। विरासत-संरक्षण का हमारा यह मौजूदा तरीका इस गलत अनुमान पर आधारित है कि सिर्फ दूरी से ही सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है।भारत के संरक्षित स्थलों में वैश्विक महत्व के स्थलों से लेकर छोटे-मोटे अवशेष तक हैं। अनेक कब्रें हैं। सौ से ज्यादा ‘कोस मीनारें’ हैं। कुछ ‘संरक्षित स्थल’ असल में चलायमान वस्तुएं हैं, जबकि कुछ कागजों पर हैं। पर सभी पर 300 मीटर वाला प्रतिबंध लागू होता है।(ये लेखक के अपने विचार हैं,अमिताभ कांत)

भारत की यूनेस्को विश्व विरासत

हमारी दुनिया बिना शिक्षकों वाले स्कूलों के युग में प्रवेश कर रही है

परंपरागत शिक्षकों के बिना चलने वाले स्कूलों का दौर अब आ चुका है। मैसाचुसेट्स के बोस्टन स्थित अल्फा स्कूल में आपका स्वागत है, जो इसी अकादमिक सत्र से खुलने जा रहा है। ‘अल्फा’ नाम जानबूझकर चुना गया है, ताकि यह स्कूल के मुख्य छात्रवर्ग ?को दर्शा सके, जो 2010 से 2024 के बीच जन्मी जनरेशन यानी अल्फा का हिस्सा हैं।पहली बार स्कूली व्यवस्था में दाखिल हो रहे ये बच्चे इतिहास की डिजिटल तौर पर सबसे दक्ष पीढ़ी माने जाते हैं। इनके बाद आएगी ‘जनरेशन-बीटा’ (2025-2039 के बीच जन्मे), जिनके बारे में माना जाता है कि वे ऐसी दुनिया में रहेंगे, जहां एआई रोजमर्रा के हर काम का अभिन्न हिस्सा होगा।अगर सोच रहे हैं कि ऐसे स्कूल में सामान्य दिन कैसा होता है, तो आप पेंसिल छीलने, रबर खोने या शिक्षक की बात सुनने की चिंता छोड़ सकते हैं। स्कूल में हर छात्र के पास एक लैपटॉप है, जिसमें एक समर्पित एआई ट्यूटर होता है। पढ़ाई हर छात्र की अपनी गति और स्तर के अनुसार होती है, जहां पारंपरिक शिक्षक की जगह ‘गाइड्स’ होते हैं। ये गाइड्स निर्देश देने की जगह छात्रों की प्रगति पर नजर रखते हैं।बोस्टन में कैम्ब्रिज स्ट्रीट पर स्कूल की पहली शाखा किंडरगार्टन से 8वीं तक के 25 छात्रों के छोटे समूह से शुरू होगी। अगले साल यह क्षमता 50 करने की योजना है। फीस 55 हजार डॉलर सालाना होगी। बोस्टन स्कूल समिति ने अभी इस प्रस्ताव को औपचारिक मंजूरी नहीं दी है और सवाल उठाए हैं कि क्या यह मॉडल सामान्य छात्रों की जरूरतों को प्रभावी तरीके से पूरा करता है। हालांकि, कई लोगों का मानना है कि अंततः समिति मंजूरी दे देगी, क्योंकि इस प्रोग्राम को ट्रम्प प्रशासन का मजबूत समर्थन है। बच्चों को इस शिक्षक-रहित स्कूल में दाखिला दिलाने के इच्छुक पैरेंट्स का तर्क है कि अल्फा मॉडल में बच्चे पारम्परिक संस्थानों की तुलना में बहुत तेजी से पढ़ाई पूरी कर सकते हैं। वे इस सिस्टम को सेल्फ-पेस्ड बताते हैं, जो बच्चों को उनके बौद्धिक स्तर के अनुसार सिखाता है।यह बच्चों को सहपाठियों से नहीं, बल्कि खुद के ही पिछले बेहतरीन प्रदर्शन से प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करता है। समर्थकों का दावा है कि इससे ‘सेल्फ-डायरेक्शन’ और ‘रेजिलिएंस’ जैसे वास्तविक जीवन-कौशल विकसित होते हैं। इस नए ढांचे में ‘शिक्षक’ यानी एआई को हर छात्र की जरूरत के अनुसार कस्टमाइज किया गया है। यह उस मूल धारणा को चुनौती देता है कि सीखने के लिए इंसानी शिक्षक चाहिए।इसकी जगह विचार यह है कि बच्चे खुद अपनी शिक्षा यात्रा के प्रोएक्टिव लीडर बन सकते हैं। छात्र गणित, विज्ञान और सोशल स्टडीज के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं, जबकि कमरे में मौजूद गाइड्स के लिए पारंपरिक शैक्षणिक योग्यता भी जरूरी नहीं है। इस अपारंपरिक तरीके के बावजूद स्कूल स्टेट करिकुलम फ्रैमवर्क का पालन करता है और आवश्यकता पड़े तो किसी छात्र की व्यक्तिगत जरूरत के मुताबिक रीडिंग स्पेशलिस्ट जैसे विशेष स्टाफ की नियुक्ति भी करता है।शायद इस व्यवस्था का सबसे खास पहलू यह है कि कैसे एआई हर बच्चे को व्यक्तिगत तरीके से चुनौती देता है। अब पूरी कक्षा एक समय पर एक ही असाइनमेंट से नहीं जूझती, न छात्रों में सबसे पहले काम खत्म करने की होड़ होती है। इसके बजाय सॉफ्टवेयर हर यूजर के मुताबिक खुद को ढाल लेता है।हालांकि कई पैरेंट्स स्क्रीन टाइम बढ़ने पर चिंता जताते हैं, लेकिन अकसर वे उद्देश्यहीन सोशल मीडिया उपयोग और निगरानी में किए जा रहे प्रोडक्टिव स्कूल वर्क के बीच अंतर को समझ कर संतुष्ट हो जाते हैं।स्कूल प्रशासन का दावा है कि एआई से छात्र पूरे दिन के अकादमिक कार्य को महज दो घंटे में ही पूरा कर लेते हैं, जिससे दिन का बड़ा हिस्सा फिजिकल एजुकेशन और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए बचता है। इसके दीर्घकालीन प्रभावों को छोड़ें तो फिलहाल यह साफ है कि स्कूली शिक्षा का नया दौर आ चुका है। फंडा यह है कि हमें खुद को ऐसी जिंदगी के लिए तैयार करना होगा, जहां तकनीक इंसानी अनुभव में बड़ी भूमिका निभाएगी। जैसे-जैसे हमारा पारंपरिक ढांचा पलट रहा है, लगता है कि परिवारों में शिक्षा ही वह पहला अहम स्तंभ है, जो पूरी तरह बदलने जा रहा है। एन. रघुरामन

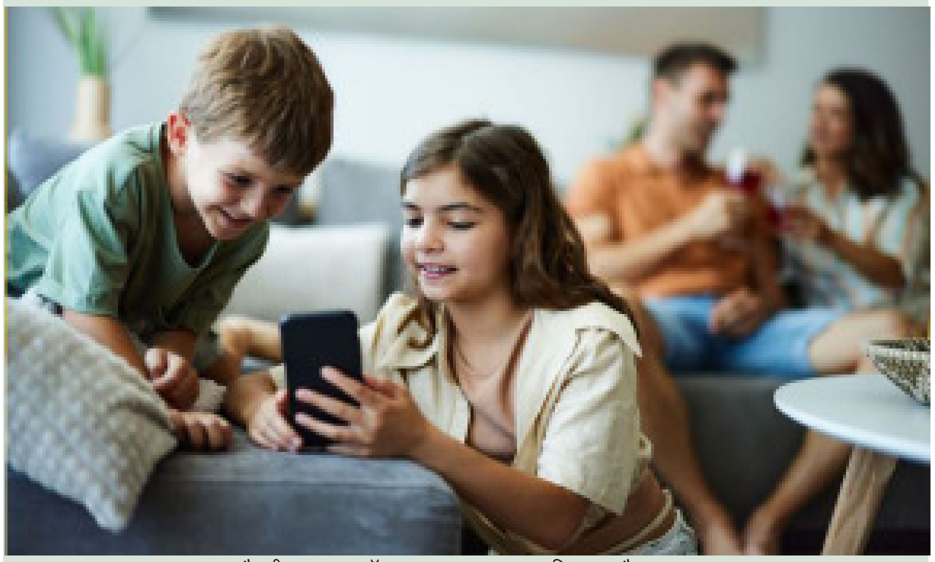

बंगाल सीएम सुवेंदु के पीए हत्याकांड में 3 संदिग्ध गिरफ्तार,कोर्ट ने 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा

बिहार-यूपी से पकड़ाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले में बिहार

और यूपी से 3 संदिग्ध गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने सोमवार को तीनों को नॉर्थ 24 परगना के बारासात कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। इनमें दो युवक- मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को बिहार के बक्सर, जबकि राज सिंह को उत्तर प्रदेश के अयोध्या से गिरफ्तार किया गया। पुलिस को शक है कि राज एक शार्पशूटर है। जांच में सामने आया कि आरोपियों तक पहुंचने में टोल प्लाजा पर किया गया एक यूपीआई पेमेंट और सीसीटीवी फुटेज सबसे बड़ा सुराग बना। ऑनलाइन ट्रांजैक्शन से जुड़े मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस आरोपियों तक पहुंची। बंगाल चुनाव नतीजों के दो दिन बाद, 6 मई को नॉर्थ 24 परगना के मध्यमग्राम में 42 साल के चंद्रनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर ने उनकी कार रोककर कई राउंड फायरिंग की, जिसमें उन्हें सीने और पेट में तीन गोलियां लगीं। बंगाल एसटीएफ ने बिहार के बक्सर में कुख्यात अपराधी विशाल श्रीवास्तव से भी पूछताछ की। हालांकि, पूछताछ में हत्याकांड में उसकी सीधी संलिप्तता न पाए जाने पर एसटीएफ ने उसे छोड़ दिया। विशाल पर बक्सर जिले में हत्या, लूट और आर्म्स एक्ट सहित 22 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। अयोध्या से गिरफ्तार राज सिंह बलिया का रहने वाला है। उसके बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि वह सभासद का चुनाव भी लड़ चुका है। उसका एक पोस्टर भी मिला है, जिसमें उसने खुद को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का प्रदेश महासचिव बताया है। उसके फेसबुक अकाउंट में मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ की तस्वीरें भी हैं। पूर्व सांसद बृजभूषण सिंह के साथ उसकी रील भी है। हत्या में 8 लोगों के शामिल होने का शक-जांच एजेंसियों का मानना है कि हत्या की साजिश और वारदात में कम से कम 8 लोग शामिल थे। आरोपियों ने वारदात से पहले कई दिनों तक रेकी की थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हमलावरों की कार हत्या से पहले बाली टोल प्लाजा से गुजरी थी। यहां कार में मौजूद एक व्यक्ति ने यूपीआई के जरिए टोल पेमेंट किया था। इसी डिजिटल ट्रांजैक्शन से जुड़े मोबाइल नंबर के जरिए पुलिस ने एक आरोपी की पहचान की और फिर बाकी आरोपियों तक पहुंच गई। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों की पहचान को टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज और वाहन की तस्वीरों से मैच कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक हमलावरों ने पहचान छिपाने और मूवमेंट छुपाने के लिए कई तरीके अपनाए थे। हत्या के बाद लाल रंग की कार से भागे थे आरोपी- कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि चंद्रनाथ रथ की स्कोर्पियो को सिल्वर रंग की निसान माइक्रा कार से रोका गया था। इसके बाद बाइक सवार हमलावरों ने उन पर फायरिंग की। हत्या के बाद आरोपी माइक्रा कार घटनास्थल पर छोड़कर लाल रंग की कार और बाइक से फरार हो गए। सीसीटीवी में यही लाल कार टोल प्लाजा पर स्पॉट हुई। पुलिस अब हत्या की साजिश, फंडिंग और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है। तीनों आरोपियों को आज बारासात कोर्ट में पेश करेगी। हमलावरों की कार-बाइक जब्त, नंबर फर्जी निकली- बंगाल पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद रथ की हत्या में सुपारी किलर के शामिल होने की आशंका जताई थी। पुलिस ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि रथ की हत्या प्लानिंग के तहत की गई और इसमें प्रोफेशनल शूटर शामिल हो सकते हैं। पुलिस ने घटनास्थल से एक कार जब्त की, जिससे रथ की स्कॉर्पियो का पीछा किया गया था। कार की नंबर प्लेट फर्जी निकली। कार का चेसिस और इंजन नंबर मिटाया गया था। इसके अलावा, हमले में दो बाइक शामिल थीं। इनमें से एक मोटरसाइकिल भी घटनास्थल से करीब 4 किमी दूर चाय की दुकान के पास मिली। उसपर भी फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। सुवेंदु टीएमसी में थे, तब से चंद्रनाथ उनके साथ थे-चंद्रनाथ पहले एयरफोर्स में अफसर थे। वीआरएस लेने के बाद कुछ समय कॉर्पोरेट सेक्टर में काम किया। इसके बाद राजनीति में आ गए। सुवेंदु जब तृणमूल कांग्रेस में थे, तब से चंद्रनाथ उनके लिए काम कर रहे थे। उन्हें सुवेंदु अधिकारी के बेहद करीबी लोगों में गिना जाता था। चंद्रनाथ 2019 में सुवेंदु की ऑफिशियल टीम का हिस्सा बने, तब सुवेंदु ममता बनर्जी सरकार में मंत्री थे। चंद्रनाथ ने भवानीपुर में सुवेंदु के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी संभाली थी। भवानीपुर वही सीट है जहां से सुवेंदु ने ममता बनर्जी को विधानसभा चुनाव में करीब 15 हजार वोटों से हराया है। चंद्रनाथ की मां भी सुवेंदु के साथ भाजपा में गई थीं-सुवेंदु की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले टीएमसी से जुड़ा था। उनकी मां हाशी रथ ने टीएमसी शासन के दौरान पूर्व मेदिनीपुर में स्थानीय पंचायत निकाय में पद संभाला था, लेकिन 2020 में सुवेंदु अधिकारी के साथ भाजपा में शामिल हो गईं। चंद्रनाथ शांत स्वभाव और लो-प्रोफाइल थे। उन्होंने रहारा रामकृष्ण मिशन से अपनी पढ़ाई पूरी की थी। कई सालों तक सुवेंदु के करीबी होने के बावजूद वह सुर्खियों से दूर ही रहते थे। चंद्रकात की सुवेंदु के साथ कोई फोटो नहीं है।

आईपीएस अजय पाल को धमकाने वाले नेता ने माफी मांगी,बोले-मेरी उनसे कोई दुश्मनी नहीं-पहले कहा था- घसीटकर बंगाल लाएंगे

प्रयागराज। यूपी के एनकाउंटर स्पेशलिस्ट डॉक्टर अजय पाल शर्मा को धमकाने

वाले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता रिजु दत्ता ने माफी मांगी है। रिजु ने रविवार को एक्स पर वीडियो जारी किया। कहा, उन्होंने आईपीएस अजय पाल शर्मा को लेकर जो कुछ भी कहा था, वह उनकी व्यक्तिगत राय नहीं थी, बल्कि पार्टी लाइन के तहत दिया गया बयान था। रिजु ने कहा, मेरी अजय पाल शर्मा से कोई निजी दुश्मनी नहीं है। मैं उनसे माफी मांगता हूं। रिजु दत्ता समेत तीन पदाधिकारियों को ममता बनर्जी की पार्टी

टीएमसी ने 6 साल के लिए शनिवार को सस्पेंड किया है। टीएमसी की हार के बाद इन पर पार्टी विरोधी टिप्पणी करने का आरोप है। डॉक्टर अजय पाल प्रयागराज के एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर हैं। बंगाल चुनाव में चुनाव आयोग ने अजय पाल को दक्षिण 24 परगना जिले का ऑब्जर्वर बनाया था। फाल्टा सीट पर 29 अप्रैल को मतदान हुआ था, उस दौरान गंभीर चुनावी अपराधों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के उल्लंघन के कारण नए सिरे से चुनाव कराने का आदेश दिया गया है। फाल्टा में अब 21 मई को फिर से वोटिंग होगी। 10 मई: अजय पाल से बिना शर्त माफी मांगता हूं.रिजु दत्ता ने कहा, 'तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता के तौर पर मैंने आईपीएस अजय पाल शर्मा को लेकर एक वीडियो बनाया था। अब सच बोलने की वजह से मेरी ही पार्टी ने मुझे निलंबित कर दिया है। मेरा वह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद भाजपा समर्थकों का पूरा आक्रोश व्यक्तिगत रूप से मुझ पर आ रहा है। मैं साफ करना चाहता हूं कि मैंने वह वीडियो तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर, पार्टी मुख्यालय से और पार्टी लाइन का पालन करते हुए बनाया था। वह वीडियो पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से जारी किया गया था। यह कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं थी। उत्तर प्रदेश के कुछ वरिष्ठ बीजेपी नेताओं और अपने कानूनी सलाहकार की सलाह पर मैं आईपीएस अजय पाल शर्मा से बिना शर्त माफी मांगता हूं। मैं एक आम इंसान हूं, जो अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहता है और अपनी रोजी-रोटी चलाना चाहता है। मुझे उम्मीद है कि अब यह मामला हमेशा के लिए खत्म हो जाएगा। 28 अप्रैलः एफआईआर दर्ज कराएंगे, घसीटकर लाया जाएगा-रिजु दत्ता ने चेतावनी भरे लहजे में कहा था- अभी भी समय है, सुधर जाइए। उन्होंने आगे कहा- 4 तारीख के बाद आपको कोई भी राज्य या बीजेपी का कोई नेता बचा नहीं पाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान निष्पक्षता नहीं बरती जा रही है। अगर हालात नहीं बदले तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आपके ऊपर एफआईआर होगी और आपको घसीटकर बंगाल लाया जाएगा।

सुवेंदु अधिकारी की तारीफ, ममता बनर्जी पर उठाए सवाल- रिजु दत्ता ने हाल ही में पश्चिम बंगाल के नए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की खुलकर तारीफ की। एएनआई से बातचीत में दत्ता ने दावा किया था कि सुवेंदु अधिकारी ने अपने निजी सहायक चंद्रकांत रथ की हत्या के बाद भी संयम दिखाकर कम से कम 5,000 टीएमसी कार्यकर्ताओं की जान बचाई है। अगर उन्होंने उस रात बदले की अपील की होती तो बंगाल में बड़े पैमाने पर हिंसा हो सकती थी।

उन्होंने सुवेंदु अधिकारी की राजनीतिक यात्रा की भी जमकर तारीफ की थी। कहा था, अगर भारत के शीर्ष 10 राजनेताओं की सूची बनाई जाए तो ममता बनर्जी का नाम जरूर होगा। लेकिन सुवेंदु अधिकारी का राजनीतिक सफर अलग है। वह सांसद रहे, कैबिनेट मंत्री रहे। पहले नंदीग्राम और अब भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने के असली हकदार वही हैं। रिजु दत्ता ने टीएमसी नेतृत्व और पार्टी की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठाए। कहा, दीदी और ?अभिषेक बनर्जी को जिम्मेदारी लेनी चाहिए कि कैसे एक बाहरी संगठन आई-पैक ने पूरी पार्टी पर कब्जा कर लिया। पार्टी के अंदरूनी हालात और आई-पैक जैसे बाहरी सलाहकारों के प्रभाव ने बंगाल में टीएमसी संगठन को कमजोर कर दिया है। चलिए पूरा मामला समझते हैंष्टीएमसी ने दक्षिण 24 परगना जिले में फाल्टा विधानसभा क्षेत्र से जहांगीर खान को टिकट दिया था। जहांगीर की उम्र 41 साल और वह 12वीं पास हैं। आईपीएस अजय पाल शर्मा जिले के ऑब्जर्वर थे। जहांगीर द्वारा स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने की शिकायत आईपीएस अजय पाल को मिली थी। इसके बाद वह 27 अप्रैल को टीम के साथ जहांगीर के घर पहुंचे। वहां बंगाल पुलिस के 14 जवान सुरक्षा में तैनात मिले। स्थानीय एसपी से जानकारी मांगने पर पता चला कि जहांगीर को वाई कैटेगरी की सुरक्षा मिली है। इसके तहत 10 पुलिसकर्मी मिले हैं। उन्होंने मौके पर तैनात 4 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को लेकर एसपी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। पूछा कि नियम विरुद्ध इस तरीके से अतिरिक्त फोर्स क्यों तैनात की गई? 28 अप्रैल को अजय पाल के 18 और 15 सेकंड के 2 वीडियो वायरल हुए। इसमें वो कह रहे हैं, 'फिर उसकी खबर अच्छे से लेंगे हम। ये जहांगीर के घर वाले भी खड़े हैं। उसको बता देना कायदे से। ये बार बार जो खबरें आ रही हैं कि उसके लोग धमका रहे हैं। उसकी खबर अच्छे से लेंगे। फिर बाद में रोना-पछताना मत।' पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा की 293 सीट पर हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 207 सीट पर जीत दर्ज की है, जबकि 15 साल से सत्ता में रही तृणमूल 80 सीटों पर सिमट गई।

एग्रीजंक्शन योजना अंतर्गत बेरोजगार कृषि स्नातक 15 से 30 मई तक तक करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। उप कृषि निदेशक रायबरेली विनोद कुमार ने बताया है कि कृषि निदेशक, उ0प्र0 कृषि भवन लखनऊ द्वारा जनपद के किसानों को एक छत के नीचे 'वन स्टाप शाप' के माध्यम से गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक, कीटनाशक व जैन कीटनाशक, जैव उर्वरक, माइकोन्यूट्रिएन्ट्स, जिप्सम, वर्मी कम्पोस्ट आदि समस्त कृषि निवेशों की आपूर्ति करना, तकनीकि जानकारी देना आदि हेतु प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलम्बन (एग्रीजंक्शन) योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में जनपद में कहीं पर भी निवास करने वाले बेरोजगार कृषि स्नातकों से 15 मई 2026 से 30 मई 2026 तक सायं 5.00 बजे तक अपना आवेदन कृषि विभाग की वेबसाइट-http://agriculture.up.gov.in/agrijunction पर आवेदन कर सकते है। नियम एवं शर्तो की अधिक जानकारी हेतु अभ्यर्थी कृषि भवन गोराबाजार, रायबरेली में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है। उन्होंने योजना की पात्रता के बारे में जानकारी दी है कि बेरोजगार कृषि स्नातक/ कृषि व्यवसाय प्रबन्धन स्नातक/ स्नातक योग्यताधारी हों, जो कृषि एवं सहबद्ध विषयों में यथा- उद्यान, दुग्ध, पशुपालन, वानिकी पशु चिकित्सा, मुर्गी पालन एवं इस तरह की गतिविधियां जो किसी राज्य/केन्द्रीय विश्वविद्यालय से डिग्रीधारी हो, तथा आई0सी0ए0आर0/यू0ज0सी0 द्वारा मान्यता? प्राप्त हो।आवेदक की आयु 15 मई 2026 तक 40 वर्ष से अधिक न हो, (अनुसूचित जाति/जनजाति/ महिलाओं) जो उत्तर प्रदेश का निवासी हो को आयु में अधिकतम 05 वर्ष की छूट)।पात्र अभ्यर्थियों में जिनकी जन्मतिथि पहले है, उन्हें वरीयता दी जायेगी। आवेदन पत्र के साथ (स्वप्रमाणित समस्त शैक्षिक अभिलेख जैसे हाई स्कूल, इण्टरमीडिएट व कृषि स्नातक की अंक सूची तथा प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पेन कार्ड व आधार संख्या तथा दो फोटो, मो0नं0) संलग्न किये जायें। योजनान्तर्गत जनपद में कुल लक्ष्य 18 निर्धारित किया गया है, जिसमें से शहरी क्षेत्र हेतु महराजगंज, राही, शिवगढ़, लालगंज, नसीराबाद प्रत्येक में एक-एक कुल-05 व ग्रामीण क्षेत्र हेतु विकास खण्ड-अमावां, हरचन्दपुर, सतावं, बछरावां, डलमऊ, दीनशाहगौरा, सरेनी, खीरो, सलोन, डीह, रोहनिया, ऊँचाहार, जगतपुर में एक-एक कुल 13 लक्ष्य आवंटित किया गया है। नोट-किसी विकास खण्ड में आवेदन न प्राप्त होने की दशा में अन्य तहसील के विकास खण्डों में लक्ष्य मानते हुए चयन की कार्यवाही की जायेगी।

कांग्रेस का आरोप-सरकार ने राहुल की इंस्टाग्राम रील ब्लॉक की,सीएम विजय के साथ बनाई थी-सरकार बोली- इंटरनल सिस्टम की गलती से हुआ

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने दावा किया कि इंस्टाग्राम ने राहुल गांधी की उस रील और फोटो पोस्ट को

ब्लॉक कर दिया है, जिसमें वे तमिलनाडु के सीएम विजय के साथ नजर आ रहे थे। कांग्रेस ने इसका कारण इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के नियमों को बताया। हालांकि सरकारी सूत्रों ने इस आरोप से इनकार किया है। सूचना मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि इससे उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह प्लेटफॉर्म के आंतरिक सिस्टम की एक गलती के कारण हुआ, जिसने गलती से इस पोस्ट को ब्लॉक करने के लिए फ्लैग कर दिया था। हालांकि पोस्ट रीस्टोर कर दी गई है। गांधी रविवार को चेन्नई में थे, जहां उन्होंने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के तौर पर विजय के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर इस अभिनेता-राजनेता के साथ अपनी कई तस्वीरें भी शेयर की थीं। कांग्रेस नेता और गांधी के सहयोगी श्रीवत्स ने दावा किया कि वायरल रील को एक घंटे से भी कम समय में 1.2 करोड़ (12 मिलियन) बार देखा गया था, जबकि वायरल तस्वीरों वाली पोस्ट 4.6 करोड़ (46 मिलियन) लोगों तक पहुंच चुकी थी। मेटा ने इस बात का कोई कारण नहीं बताया है कि आखिर क्यों उनका अकाउंट एक्सेस नहीं हो पा रहा है। श्रीवत्स ने आरोप लगाया, 'यह तकनीकी गड़बड़ी सूचना मंत्रालय के नियमों के कारण हुई है। राहुल गांधी के सोशल मीडिया अकाउंट्स को लंबे समय से रोका जा रहा है। एक्स पर उनकी रीच, यूट्यूब पर उनके व्यूज और इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स को भी मैनेज किया जा रहा है। श्रीवत्स ने आगे कहा- इसी तरह भारत में विपक्ष के नेता की आवाज को दबाया जाता है। मंत्रालय की सफाई- हमारा इससे कोई लेना-देना नहीं,कांग्रेस के दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, सूचना मंत्रलाय के सूत्रों ने कहा कि कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स यह गलत दावा कर रहे हैं कि विपक्ष के नेता की कुछ पोस्ट्स को मंत्रालय ने ब्लॉक किया था। मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा- हम साफ कर देना चाहते हैं कि इस कार्रवाई से हमारा कोई लेना-देना नहीं है। यह प्लेटफॉर्म के इंटरनल सिस्टम की एक गलती के कारण हुआ था, जिसने गलती से उस पोस्ट को ब्लॉक करने के लिए फ्लैग कर दिया था। अब उस पोस्ट को रीस्टोर कर दिया गया है।

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आदेशानुसार 'राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व 30 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सोनभद्र के आदेशानुसार सम्पूर्ण राष्ट्र में दिनांक 01 जनवरी 2026 से 'राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान' चलाया जा रहा है। उक्त अभियान के अन्तर्गत् वर्ष 2018 में घरेलू हिंसा से संबंधित पंजीकृत मुकदमा राज्य बनाम मो0 इमरान थाना- महिला थाना, सोनभद्र की पत्रावली न्यायालय सिविल जज जू0डि0/एफ0टी0सी0 (सी0ए0डब्लू0) द्वारा सुलह वार्ता हेतु दिनांक 07.04.2026 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ए0डी0आर0 भवन जनपद न्यायालय सोनभद्र में संचालित मध्यस्थता केन्द्र में प्रेषित की गयी। राहुल, सिविल जज सी0डि0/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उक्त पत्रावली में मध्यस्थता की कार्यवाही हेतु मध्यस्थ अधिवक्ता श्री सोहनलाल को नियुक्त किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मध्यस्थ अधिवक्ता द्वारा त्वरित और सौहार्दपूर्ण निस्तारण प्रक्रिया को अपनाया गया। मध्यस्थ अधिवक्ता द्वारा दोनों पक्षों से सौहार्दपूर्ण सुलह वार्ता कर उनके बीच विगत 11 वर्षों से चले आ रहे आपसी मतभेदों को दूर कराया गया। जिससे दोनों पक्षों के मध्य वर्ष 2015 से चले आ रहे वैवाहिक मतभेद दूर हुए और बिना किसी दबाव के दम्पत्ति राजी-खुशी एक-दूसरे के साथ स्वेच्छा से रहने को तैयार हो गये। आम जनमानस उक्त अभियान का लाभ उठाकर संबंधित न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपने मामले को चिन्हित करवाकर मध्यस्थता के माध्यम से निस्तारण करवा सकते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग में मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अन्तर्गत वाराणसी में शोमनाथ संकल्प महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मा0 राज्यपाल उ0प्र0 आनंदी बेन पटेल व मा0 मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग किया गया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन रतापुर स्थिति आर0डी0ए0 सामुदायिक केंद्र में किया गया, जिसमें मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत रंजना चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, जिलाध्यक्ष भाजपा बुद्धिलाल पासी द्वारा प्रतिभाग किया गया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में मा0 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व वाराणसी में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया एवं उद्बोधन को सुना गया।

भारत की अटूट आस्था के एक हजार वर्ष का उत्सव के अवसर पर जनपद में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा रिफार्म क्लब लॉन से प्रारम्भ होकर खालसा चौक होते हुए जग मोहनेश्वर महादेव मंदिर चंदा कोठी में समाप्त हुई। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि यह पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय गौरव एवं आत्मसम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अदम्य शक्ति, संघर्ष और पुनर्निर्माण का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश की समृद्ध परंपराओं एवं सांस्कृतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। स्वाभिमान पर्व हमें अपनी जड़ों से जुड़ने, राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा सामाजिक एकता एवं सद्भाव को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। जिलाध्यक्ष बुद्धिलाल ने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोमनाथ का इतिहास भारतीय संस्कृति, आस्था और स्वाभिमान का प्रतीक है। यह पर्व हमें अपने गौरवशाली अतीत से प्रेरणा लेकर राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रेरणा देता है।उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत विश्व में अद्वितीय है और इसे संरक्षित एवं संवर्धित करना हम सभी का दायित्व है। सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण भारतीय समाज की एकता, दृढ़ संकल्प और आत्मगौरव का प्रतीक है। इससे पूर्व विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अरूण कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सुधीर गिरि, जिला पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, जिला पर्यटन अधिकारी तनूजा यादव, शीवेन्द्र सिंह आदि उपस्थित रहें।

महिला का फोन हैक कर 25 लाख उड़ाए,'फोन हैक' होने पर मिलते 11 संकेत,एक्सपर्ट से जानें इस स्कैम से कैसे बचें

लखनऊ। हाल ही में मुंबई की एक 78 साल की बुजुर्ग महिला के साथ 25 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया।

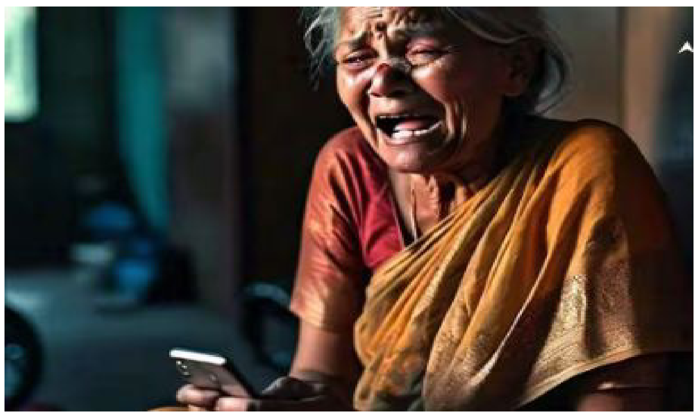

साइबर क्रिमिनल्स ने महिला का फोन हैक करके इस स्कैम को अंजाम दिया। स्कैमर्स ने वॉट्सएप के जरिए महिला से संपर्क किया और खुद को बिजली विभाग का अधिकारी बताया। बातचीत से भरोसा जीतने के बाद कनेक्शन में नाम अपडेट के लिए एक एपीके फाइल डाउनलोड करने और पेमेंट करने को कहा। महिला के पेमेंट करते ही उनका फोन हैक हो गया और खाते से 25 लाख रुपए कट गए। ऐसे में इस स्कैम को समझना बेहद जरूरी है। इसलिए 'साइबर लिटरेसी' कॉलम में आज हम 'फोन हैकिंग स्कैम' के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है? फोन हैकिंग से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्टः राहुल मिश्रा, साइबर सिक्योरिटी एडवाइजर, उत्तर प्रदेश पुलिस जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम क्या है? जवाब- ये एक तरह का साइबर फ्रॉड है। इस स्कैम में ठग यूजर का फोन हैक कर लेते हैं। इसके जरिए सेंसिटिव इन्फॉर्मेशन चुरा लेते हैं। बैंक डिटेल्स और पासवर्ड पता कर लेते हैं। इसके बाद बैंक अकाउंट से पैसे निकाल लेते हैं। फोन हैकिंग के लिए ठग फर्जी लिंक, एपीके फाइल का सहारा लेते हैं। सवाल- स्कैमर्स किन तरीकों से फोन हैक कर सकते हैं? जवाब- स्कैमर्स अलग-अलग तरीकों से यूजर को फंसाकर फोन का एक्सेस ले लेते हैं। उनमे से कुछ तरीके-फिशिंग लिंक / मैसेज भेजकर, एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर। ओटीपी/वेरिफिकेशन कोड लेकर। सिम स्वैप /सिम हाइजैक करके। कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिवेट करके। फर्जी कॉल से भरोसा जीतकर। फिशिंग लिंक/फेक मैसेज फ्रॉड, एसएमएस या वॉट्सएप पर फर्जी लिंक भेजते हैं, जो बैंक, केवाईसी या प्रोडक्ट डिलीवरी के नाम पर होते हैं। लिंक पर क्लिक करते ही यूजर की पर्सनल और बैंकिंग जानकारी स्कैमर्स तक पहुंच जाती है। एपीके फाइल के जरिए फ्रॉड ठग यूजर से एपीके फाइल डाउनलोड करवाते हैं। इंस्टॉल होते ही यह एप फोन

का डेटा, मैसेज और ओटीपी तक एक्सेस कर लेता है। ओटीपी या वेरिफिकेशन कोड के जरिए फ्रॉड स्कैमर्स खुद को बैंक या

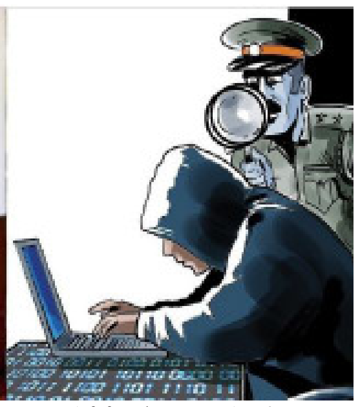

सर्विस एजेंट बताकर ओटीपी मांगते हैं। ओटीपी मिलते ही यूजर का अकाउंट-पासवर्ड बदलकर कंट्रोल ले लेते हैं। सिम स्वैप फ्रॉड ठग यूजर की जानकारी जुटाकर मोबाइल कंपनी से उसका नंबर नए सिम पर ट्रांसफर करवा लेते हैं। इससे असली सिम बंद हो जाता है और सभी ओटीपी स्कैमर को मिलने लगते हैं। कॉल फॉरवर्डिंग फ्रॉड- यूजर से कोई यूएसएसडी कोड डायल करवाया जाता है, जिससे उसकी कॉल्स दूसरे नंबर पर फॉरवर्ड हो जाती हैं। इससे ओटीपी कॉल्स और जरूरी कॉल्स सीधे स्कैमर तक पहुंचती हैं। सोशल इंजीनियरिंग-ठग बैंक अधिकारी, कस्टमर केयर या सरकारी एजेंट बनकर कॉल करते हैं। वे यूजर को डर या लालच देकर उसकी जानकारी और एक्सेस ले लेते हैं। सवाल- फोन हैकिंग से क्या नुकसान हो सकते हैं? जवाब- फोन हैक करने के बाद स्कैमर्स पैसे उड़ाने के साथ के साथ निजी डेटा का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं। यूजर के अकाउंट्स से दूसरों को भी ठगी का शिकार बना सकते हैं। सवाल- कैसे पता चलेगा कि फोन हैक तो नहीं हुआ है? अचानक नेटवर्क चला जाए। अचानक सिम बंद हो जाए। बेवजह ओटीपी आने लगें। अलर्ट मैसेज आने लगें। फर्जी ट्रांजैक्शन हो। अकाउंट्स लॉगआउट हो जाएं। संदिग्ध एक्टिविटी दिखे। फोन स्लो चलने लगे। कॉन्टैक्ट्स को फर्जी मैसेज मिले। अनजान एप्स इंस्टॉल्ड दिखें। कॉल/एसएमएस फॉरवर्ड होने लगे। सवाल- फोन हैकिंग का पता चलने पर तुरंत क्या करना चाहिए?

जवाब- ऐसी स्थिति में घबराएं नहीं, तुरंत कार्रवाई करें- सबसे पहले अपने बैंक और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर को सूचित करें। नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके तुरंत सहायता लें। cybercrime.gov.in पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। नजदीकी साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट करें। शिकायत करते समय सभी सबूत (जैसे स्क्रीनशॉट, मैसेज या कॉल डिटेल) साथ रखें, ताकि कार्रवाई जल्दी हो सके। सिम सर्विस प्रोवाइडर से अपना सिम ब्लॉक करवाएं। बैंक से संपर्क करके अकाउंट्स ब्लॉक कराएं।

किसी दूसरे डिवाइस से सोशल मीडिया अकाउंट के पासवर्ड बदलें। सभी संदिग्ध एप्स अनइंस्टॉल करें। फोन फैक्ट्री रीसेट करें। नजदीकी पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज करें। साइबर क्राइम पोर्टल (www.cybercrime.gov.in) पर शिकायत करें। सवाल- फोन हैकिंग स्कैम से बचने के लिए क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जवाब- किसी भी स्कैम से बचने के लिए सतर्क रहना सबसे जरूरी है। छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर अपने फोन और अकाउंट्स को सुरक्षित रख सकते हैं। 1. फर्जी कॉल पर बात न करें। 2 किसी के बहकावे, डर में न आएं। 3 किसी भी ऑफर पर भरोसा न करें। 4 अनजान लिंक पर क्लिक न करें। 5 फोन में जरूरी एप ही रखें। 6 एपीके फाइल पर क्लिक न करें। 7 ओटीपी, पिन किसी से शेयर न करें। 8 फोन पासवर्ड मजबूत रखें। 9 टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन ऑन रखें। 10 फोन में लॉक लगाकर रखें। 11. फोन, एप्स हमेशा अपडेटेड रखें। सवाल- टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) क्या है? इसे फोन में इनेबल करना क्यों जरूरी है? जवाब- यह फोन को अतिरिक्त सुरक्षा देता है। जैसेकि- लॉगिन के लिए पासवर्ड के अलावा दूसरा वेरिफिकेशन (जैसे ओटीपी, फिंगरप्रिंट या ऑथेंटिकेटर एप कोड) भी जरूरी होता है। अगर गलती से पासवर्ड लीक हो जाए, तब भी अकाउंट सेफ रहने के चांस रहते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति आपके अकाउंट में आसानी से लॉगिन नहीं कर सकता है। साइबर फ्रॉड से बचाव का सबसे आसान और जरूरी तरीका है - संदेह करना। कोई भी कॉल, लिंक या ऑफर अगर असामान्य लगे, तो तुरंत रुकें और उसे वेरिफाई करें। वेरिफाई न हो तो मानकर चलें कि वो फ्रॉड ही है। सवाल- फोन हैक की शिकायत कहां और कैसे करें? जवाब-

कटरीना को विक्की और बेटे विहान ने दिया खास गिफ्ट-मदर्स डे

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ के मां बनने के बाद उन्होंने अपना पहला मदर्स डे सेलिब्रेट किया है। इस मौके पर उनके पति विक्की कौशल और बेटे विहान ने उन्हें खास सरप्राइज दिया। कटरीना ने सोशल मीडिया पर इस सेलिब्रेशन की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें नन्हे विहान की भी झलक देखने को मिली। कटरीना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस खास दिन की कुछ झलकियां शेयर की हैं। पहली तस्वीर में एक हाथ से लिखा हुआ कार्ड और गुलाबी गुलाबों का खूबसूरत गुलदस्ता नजर आ रहा है। कार्ड पर लिखा है, 'हैप्पी फर्स्ट मदर्स डे मेरा प्यार, बहुत सारा प्यार- विहान और पापा कौशल।' विक्की और विहान की तरफ से मिले इस प्यार को देखकर कटरीना काफी इमोशनल नजर आईं। दूसरी तस्वीर में कटरीना ने अपने बेटे विहान की एक छोटी सी झलक दिखाई है। फोटो में मशहूर बच्चों की किताब 'द वेरी हंग्री कैटरपिलर' दिख रही है। नन्हे विहान ने अपनी छोटी उंगलियों से उस किताब को थाम रखा है। हालांकि, कपल ने अभी तक बेटे का चेहरा पूरी तरह से दुनिया को नहीं दिखाया है। विक्की और कटरीना की पहली मुलाकात एक अवॉर्ड शो में हुई थी, जहां विक्की होस्टिंग कर रहे थे। वहां मजाक-मजाक में शुरू हुई बात धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। दोनों ने साल 2021 में राजस्थान के सवाई माधोपुर के सिक्स सेंस फोर्ट बरवारा में शाही अंदाज में शादी की थी।

सलमान ने मदर्स-डे पर दोनों माओं के साथ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं,यूलिया ने भी खान फैमिली संग तस्वीरें पोस्ट कीं

मुंबई। मदर्स डे के मौके पर सलमान खान ने अपनी दोनों

माओं सलमा खान और हेलन (सलीम खान की दूसरी पत्नी) के साथ थ्रोबैक तस्वीरें शेयर कीं। वहीं, सलमान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर ने भी सलमा खान, सलीम खान और हेलन के साथ तस्वीरें पोस्ट कर इमोशनल मैसेज लिखा। सलमान ने इंस्टाग्राम पर तीन पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। इनमें एक ब्लैक एंड व्हाइट फोटो में वह बचपन में मां सलमा की गोद में नजर आए। दूसरी तस्वीर में सलमान मां सलमा के सिर पर प्यार से हाथ रखते नजर आए। तीसरी तस्वीर में सलमान गुलाबी और सफेद चेकर्ड शर्ट में दिखाई दिए, जिसमें सलमा और हेलन दोनों नजर आईं।यूलिया ने भी पोस्ट की फैमिली फोटोज- यूलिया ने भी मदर्स डे पर अपनी फैमिली और सलमान की फैमिली के साथ तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने सलमा खान, सलीम खान और हेलन के साथ फैमिली मोमेंट्स पोस्ट करते हुए लिखा, 'हैप्पी मदर्स डे! मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत और आभारी मानती हूं कि मुझे इनका प्यार मिला। हर परिस्थिति में इनका गर्मजोशी भरा, प्यार और सुरक्षा से भरा हाथ हमेशा मेरे साथ रहा। आई लव यू। उन सभी शानदार महिलाओं को भी मदर्स डे की शुभकामनाएं, जिन्होंने मेरी जिंदगी में मां की तरह साथ दिया। हैप्पी मदर्स डे टू यू, वुमन!' सलमान ने नई फिल्म की शूटिंग शुरू की वर्कफ्रंट की बात करें तो सलमान ने एक्ट्रेस नयनतारा के साथ अपकमिंग फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है, जिसका अस्थायी नाम एसवीसी63 है। वहीं, उनकी दूसरी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमि' की रिलीज का भी फैंस इंतजार कर रहे हैं, जिसका पहले नाम 'बैटल ऑफ गलवान' था। हालांकि, फिल्म की नई रिलीज डेट का ऐलान अभी नहीं किया गया है। इसके अलावा, वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सलमान डायरेक्टर जोड़ी राज निदिमोरू और कृष्णा डी.के. के साथ एक सुपरहीरो एक्शन फिल्म में भी काम कर सकते हैं। ऐसी भी चर्चा है कि इस प्रोजेक्ट में वह करीना कपूर खान के साथ काम कर सकते हैं।

पीबीकेएस के लिए प्रीति जिंटा गोल्डन टेंपल में नतमस्तक,लंगर हॉल में सेवा की,बोलीं- पंजाब का भरपूर प्यार मिला

अमृतसर। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा शनिवार रात

अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में माथा टेकने पहुंचीं। उन्होंने गुरु घर में नतमस्तक होकर अरदास की। इस दौरान प्रीति जिंटा की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं में भी काफी उत्साह देखा गया। कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। गुरुद्वारा साहिब में माथा टेकने के बाद प्रीति जिंटा ने लंगर हॉल में सेवा की। उन्होंने संगत को लंगर वितरित किया। मीडिया से बात करते हुए प्रीति जिंटा ने कहा- बाबा जी का बुलावा आया था, उन्होंने बुलाया था तो हम आ गए। उन्होंने बताया कि 11 मई को उनकी पंजाब किंग्स क्रिकेट टीम का महत्वपूर्ण मुकाबला है और वह टीम की जीत के लिए अरदास करने पहुंची हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि वाहेगुरु जी की कृपा से उनकी टीम शानदार प्रदर्शन करेगी और सभी मैच जीतने का प्रयास करेगी और प्लेऑफ में पहुंचेगी। इस दौरान उन्होंने टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर का जिक्र करते हुए कहा कि पंजाब के लोग उन्हें प्यार से सरपंच बुलाते हैं, जो टीम के लिए गर्व की बात है। प्रीति जिंटा ने पंजाब के युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि टीम को लोगों से भरपूर प्यार और समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यही प्यार खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाता है और टीम की सबसे बड़ी ताकत है। प्रीति की टीम का टूर्नामेंट में अब तक प्रदर्शन- लंबे समय तक टॉप पर रहीः आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है और टीम प्लेऑफ की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने सीजन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की और लंबे समय तक अंक तालिका में शीर्ष पर बनी रही।लगातार 5 मैच जीतेः मौजूदा समय में पंजाब किंग्स 10 मैचों में 6 जीत, 3 हार और 1 रद्द मैच के साथ 13 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। उनका नेट रन रेट प्लस 0.571 है। टीम ने अपने पहले 6 मैचों में से 5 में जीत हासिल की और एक मैच (केकेआर के खिलाफ) बारिश के कारण रद्द रहा, जिससे वे शुरुआती हफ्तों में अजेय रहे। सबसे बड़ा टारगेट चेज कियाः टीम ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 265 रनों का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर टी20 इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज करने का रिकॉर्ड बनाया। वहीं, लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ पंजाब ने 254/7 का विशाल स्कोर बनाया, जो इस सीजन के सबसे बड़े स्कोर में से एक है। कमजोर गेंदबाजी और फील्डिंग से हार मिलीः पिछले तीन मैचों में टीम को लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उसे आरआर, जीटी और एसआरएच ने हराया। इन मैचों में टीम की डेथ ओवरों की गेंदबाजी और फील्डिंग की कमजोरियों को उजागर किया है। हालांकि, अब भी टीम प्लेऑफ की रेस में बनी हुई है। आईपीएल 2026 के ताजा समीकरणों के अनुसार, पंजाब किंग्स की स्थिति काफी मजबूत है। फिर भी टीम को प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के लिए आगे भी बढ़िया प्रदर्शन करना होगा। पंजाब टीम यदि बाकी बचे अपने सभी 4 मुकाबले जीतती है तो वह पॉइंट टेबल में टॉप भी कर सकती है। इससे उसे क्वालीफायर खेलकर फाइनल में पहुंचने के 2 अवसर मिलेंगे। जबकि, यदि टीम कम से कम 2 मैच और जीत ले तो 17 अंकों के साथ भी टॉप-4 में निश्चित रूप से अपनी जगह पक्की कर लेगी। टीम अगले 4 मैचों में से केवल 1 मैच जीतकर भी 15 अंकों के साथ प्लेऑफ में प्रवेश कर सकती है, लेकिन तब टीम को नेट रन रेट और दूसरी टीमों के मैचों के नतीजों पर डिपेंड रहने पड़ेगा।

जैकलीन फर्नांडिस के सरकारी गवाह बनने पर ईडी की आपत्ति,एजेंसी बोली- एक्ट्रेस पीड़ित नहीं, सुकेश के जुर्म पता होने के बाद भी लिए करोड़ों के गिफ्ट

मुंबई। 200 करोड़ रुपए के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ई) ने दिल्ली की

एक अदालत में जैकलीन की उस याचिका का विरोध किया, जिसमें उन्होंने 'सरकारी गवाह' बनने की मांग की थी। ईडी ने कोर्ट में साफ कहा कि जैकलीन को सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक बैकग्राउंड की पूरी जानकारी थी, इसके बावजूद वे उसके साथ लगातार संपर्क में रहीं और अपराध की कमाई से करोड़ों के गिफ्ट्स लेती रहीं। सुकेश के साथ लगातार संपर्क में थीं जैकलीन स्पेशल जज प्रशांत शर्मा के सामने दाखिल अपने जवाब में ईडी ने कहा कि जैकलीन कोई ऐसी मासूम पीड़िता नहीं हैं जिन्हें सुकेश के बारे में कुछ पता न हो। एजेंसी के मुताबिक, एक्ट्रेस सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक रिकॉर्ड को जानने के बाद भी उसके साथ रेगुलर और सस्टेंड कॉन्टैक्ट में थीं। सुकेश ने अपराध के जरिए कमाए गए पैसों से जैकलीन और उनके परिवार के लिए महंगे गिफ्ट्स, लग्जरी सामान और सुविधाओं का इंतजाम किया था। ईडी ने जोर देकर कहा कि जैकलीन का सुकेश के साथ जुड़ाव पूरी तरह सोच-समझकर लिया गया फैसला था। जांच में सहयोग न करने का आरोप एजेंसी ने जैकलीन के व्यवहार पर भी सवाल उठाए हैं। ईडी ने कोर्ट को बताया कि एक्ट्रेस ने जांच के दौरान बिल्कुल भी सहयोग नहीं किया और उनके बयान भ्रामक रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त 2021 से जून 2022 के बीच दर्ज किए गए जैकलीन के बयानों में कई विरोधाभास थे। ईडी ने आरोप लगाया कि एक्ट्रेस ने अपनी स्क्रिप्ट राइटर अद्वैता काला को किए गए कैश ट्रांजेक्शन, विदेश में रहने वाले भाई-बहनों को भेजे गए फंड और बहरीन में माता-पिता के लिए खरीदी गई कारों जैसी अहम जानकारियां एजेंसी से छिपाईं। 'खुद को पीड़ित बताना सजा से बचने का पैंतरा' ईडी ने स्पष्ट किया कि जैकलीन का खुद को 'विक्टिम' बताना केवल कानून से बचने का एक तरीका है। एजेंसी ने कहा, जैकलीन इस मनी लॉन्ड्रिंग प्रक्रिया में एक सक्रिय भागीदार थीं और उन्होंने अपराध की कमाई का जमकर आनंद लिया है। उन्हें सरकारी गवाह बनाना न्याय के साथ धोखा होगा और इससे अपराध की गंभीरता कम हो जाएगी। ईडी ने इस अर्जी को कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताया है। अब मामले की सुनवाई 12 मई को होगी।बता दें कि यह पूरा मामला ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जिसने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों शिविंदर सिंह और मलविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपए ठगे थे। जैकलीन को इस मामले में सप्लीमेंट्री चार्जशीट में आरोपी बनाया गया था। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी उनके खिलाफ मामले को रद्द करने की याचिका खारिज कर दी थी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।